

पीएम नरेंद्र मोदी ने जीएसटी रिफॉर्म्स की घोषणा की

नवरात्रि से ‘आत्मनिर्भर भारत’ का नया अध्याय

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज राष्ट्र को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने आगामी नेक्स्ट-जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्म्स की घोषणा की, जो सोमवार 22 सितंबर से लागू होंगे। प्रधानमंत्री ने इस महत्वपूर्ण कदम को 'जीएसटी बचत उत्सव' का नाम दिया और इसे आत्मनिर्भर भारत अभियान की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

पीएम ने 'जीएसटी बचत उत्सव' का शुभारंभ किया

नवरात्रि की शुरुआत के साथ ही, ये नए जीएसटी सुधार लागू हो रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि यह उत्सव गरीबों, मध्यम वर्ग, युवाओं और व्यापारियों सहित देश के हर वर्ग के लिए फायदेमंद होगा। उन्होंने कहा कि

इन सुधारों से लोगों की बचत बढ़ेगी और वे अपनी पसंद की चीजें आसानी से खरीद पाएंगे, जिससे त्योहारी मौसम में सभी के चेहरों पर खुशी आएगी। उन्होंने इन सुधारों के लिए सभी देशवासियों को बधाई दी और विश्वास जताया कि ये सुधार भारत की आर्थिक प्रगति को गति देंगे, व्यापार को आसान बनाएंगे और हर राज्य को विकास की दौड़ में समान भागीदार बनाएंगे।

पीएम ने जीएसटी को एक सतत सुधार की प्रक्रिया बताया

प्रधानमंत्री ने 2017 में लागू हुए मूल जीएसटी सुधारों को याद किया, जिसने देश को दशकों से चले आ रहे जटिल कर जाल से मुक्ति दिलाई। उन्होंने कहा कि 2014 में सत्ता में आने



के बाद, उनकी सरकार ने सभी हितधारकों और राज्यों से चर्चा कर जीएसटी को प्राथमिकता दी, जिससे यह ऐतिहासिक कर सुधार संभव हो पाया। पीएम ने कहा कि सुधार एक

सतत प्रक्रिया है, और वर्तमान एवं भविष्य की जरूरतों को देखते हुए नेक्स्ट-जेनरेशन जीएसटी रिफॉर्मस पेश किए जा रहे हैं। इन नए सुधारों के तहत, जीएसटी की केवल दो प्रमुख दरें 5%

और 18% लागू होंगी, जिससे रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुएं अधिक सस्ती हो जाएंगी।

अपने संबोधन में, प्रधानमंत्री ने एक बार फिर 'आत्मनिर्भर भारत' के मंत्र पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिस तरह स्वतंत्रता संग्राम को 'स्वदेशी' के मंत्र से ताकत मिली, उसी तरह देश की समृद्धि को भी स्वदेशी से ही शक्ति मिलेगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे ऐसे उत्पाद खरीदें जो 'मेड इन इंडिया' हों, जिनमें देश के युवाओं की मेहनत लगी हो। उन्होंने कहा कि हर घर और हर दुकान को स्वदेशी का प्रतीक बनना चाहिए। पीएम ने यह भी बताया कि भारत को आत्मनिर्भर बनाने में एमएसएमई (MSMEs) की महत्वपूर्ण भूमिका है।

सैनिकों और सेनाओं को किसी चीज की कमी महसूस नहीं होने देगी सरकार: राजनाथ सिंह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1965 की लड़ाई में पाकिस्तान को धूल चटाने वाले सैनिकों से बातचीत करते हुए उन्हें आश्चर्य किया कि मातृ भूमि की रक्षा करने वाले हर सैनिक का सम्मान तथा कल्याण सरकार की प्राथमिकता है और सैनिकों तथा सेनाओं को किसी संसाधन की कमी महसूस नहीं होने देगी। श्री सिंह ने 1965 की लड़ाई के 60 वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित समारोह में इस लड़ाई में दम खम दिखाने वाले अधिकारियों और जवानों को यहां संबोधित किया। उन्होंने पूर्व सैनिकों तथा सेवारत सैनिकों को आश्चर्य किया कि सरकार उन्हें सम्मान से लेकर सैन्य साजो सामान तक किसी भी चीज की कमी नहीं होने देगी। उन्होंने कहा, 'आज जब मैं अपने वेटेरन्स के बीच हूँ, तो मैं एक संकल्प भी आपके समक्ष दोहराना चाहता हूँ। वह संकल्प यह है, कि चाहे वह सेवारत सैनिक हों, वेटेरन्स हों या हमारे शहीदों के परिवारजन, हमारी सरकार के लिए हर किसी का सम्मान और कल्याण सर्वोच्च प्राथमिकता है। सेनाओं का आधुनिकीकरण हो, प्रशिक्षण हो, या उपकरणों का उन्नयन हो, यह सब हम इसलिए कर रहे हैं, कि हमारा जवान कभी संसाधनों की कमी महसूस न करे।' इस अवसर पर 1965 की लड़ाई के बाद वीर चक्र से सम्मानित अधिकारियों लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सतीश नाभिष्यार और मेजर आर एस बेदी तथा इस लड़ाई में अपने जौहर दिखाने वाले अनेक पूर्व सैनिक मौजूद थे। रक्षा मंत्री ने कहा कि 1965 का युद्ध सिर्फ एक छोटा-मोटा संघर्ष नहीं था बल्कि वह भारत की ताकत की परीक्षा थी। उस दौर में जो परिस्थितियाँ थीं, उसे देखते हुए पाकिस्तान ने यह सोचा कि वह चुसपैठ



● रक्षा मंत्री ने कहा कि 1965 का युद्ध सिर्फ एक छोटा-मोटा संघर्ष नहीं था बल्कि वह भारत की ताकत की परीक्षा थी

से गुरिल्ला लड़ाई से और अचानक हमलों से भारत को डरा देगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को भारत के जवानों की भावना और ताकत का पता नहीं था कि वह देश की मिट्टी की रक्षा के लिए क्या कुछ कर सकता है।

श्री सिंह ने 1965 के युद्ध के दौरान फिलौरा, चाविंडा और अन्य लड़ाईयों में सेनाओं के पराक्रम का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय सेनाओं ने पाकिस्तान की हिम्मत तोड़ दी। सेनाओं ने साबित कर दिया कि युद्ध, टैंकों से नहीं, बल्कि हौसले और हठ प्रतिज्ञा से जीता जाता है। असल उत्तर की लड़ाई और उसमें अपनी बहादुरी से दुश्मन के अनेकों टैंकों को भस्म करने वाले परमवीर चक्र विजेता अब्दुल हमीद का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इस लड़ाई और इस रणबाँकुरें के रणकौशल ने यह सिखाया कि हथियारों

से वीरता का पता नहीं चलता बल्कि सैनिकों के दिल से पता चलता है। उन्होंने कहा, 'वह पल हर भारतीय के सीने को गर्व से चौड़ा कर देता है। उनकी वीरता हमें सिखाती है कि कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी साहस, संयम और देशभक्ति का संगम, असंभव को संभव बना सकता है।'

तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की इच्छाशक्ति को जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'कोई भी युद्ध केवल रणक्षेत्र में नहीं लड़ा जाता, बल्कि युद्ध में जो विजय मिलती है, वह पूरे राष्ट्र के सामूहिक संकल्प का फल होता है। वर्ष 1965 के उस कठिन समय में, जब चारों ओर अनिश्चितता और चुनौतियाँ थीं, तब श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की दृढ़ इच्छाशक्ति वाले नेतृत्व में देश ने उन चुनौतियों का सामना किया। शास्त्री जी ने उस दौर में न केवल निर्णायक राजनीतिक नेतृत्व दिया, बल्कि पूरे देश के मनोबल को ऊँचाई तक पहुँचाया। उन्होंने एक ऐसा नारा दिया जो आज भी हमारे हृदय में गूँजता है, 'जय जवान, जय किसान।' इस एक नारे में हमारे वीर सैनिकों के सम्मान के साथ-साथ हमारे अन्नदाताओं का गौरव भी शामिल था।

देश भाग्यशाली है कि उसे प्रधानमंत्री मोदी के रूप में ‘दूरदर्शी नेता’ मिला: नट्टा



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नट्टा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि देश भाग्यशाली है कि उसे ऐसा 'दूरदर्शी नेता' मिला है जिसने न सिर्फ भारत की सांस्कृतिक विरासत और गहन विचारों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत किया है, बल्कि पूरी

मानवता के लिए अपनी आवाज भी उठाई है।

वह राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी स्टेडियम में 'माई कंट्री फर्स्ट: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ नरेंद्र मोदी' की स्क्रीनिंग के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नट्टा ने कहा कि प्रधानमंत्री का पूरा जीवन 'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प के साथ

राष्ट्र की सेवा के इर्द-गिर्द घूमता रहा है। उन्होंने कहा, 'यह देश का सौभाग्य है कि हमें नरेंद्र मोदी जैसा दूरदर्शी नेता मिला है।'

इस कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव सुनील बंसल, भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, दिल्ली कला, संस्कृति एवं मंत्री कपिल मिश्रा और पार्टी के अन्य नेता शामिल हुए।

हर्ष उल्लास के साथ मने आगामी पर्व-त्योहार, लोगों की सुरक्षा, सुविधा का रखें पूरा ध्यान: सीएम मुख्यमंत्री

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को उच्चस्तरीय बैठक में आगामी पर्व-त्योहारों के सुचारु आयोजन, स्वच्छता, बेहतर कानून व्यवस्था आदि के संबंध में शासन-प्रशासन के अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिए। सीएम कहा कि आगामी पर्व और त्योहारों को लोग हर्ष उल्लास के साथ मनाएं। इस दौरान लोगों की सुरक्षा और सुविधा का पूरा ध्यान रखा जाए। बैठक में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समस्त मंडलायुक्त, जिलाधिकारी, अपर पुलिस महानिदेशक (जोन), समस्त पुलिस आयुक्त, पुलिस महानिरीक्षक, पुलिस उप महानिरीक्षक समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक में मुख्यमंत्री ने सभी अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव गणों से त्योहारों के मद्देनजर उनकी विभागीय तैयारियों के बारे में जानकारी ली।

मिशन शक्ति 5.0 के लिए सीएम ने दिए दिशा-निर्देश

सीएम योगी ने कहा कि राज्य सरकार के मिशन शक्ति कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान और आत्मनिर्भरता देना है। शारदीय नवरात्रि के पहले दिन आगामी 22 सितंबर से प्रदेशभर में मिशन शक्ति 5.0 की शुरुआत होगी। यह अभियान एक महीने तक चरणबद्ध तरीके से चलेगा। इसके लिए सभी संबंधित विभाग तैयारियां सुनिश्चित करें। लोगों को जागरूक करने के लिए 21 सितंबर की शाम महिला पुलिसकर्मियों द्वारा हर जनपद में एक बाइक रैली निकाली जाए। 22 सितंबर से सार्वजनिक स्थलों, बालिका विद्यालयों इत्यादि जगहों पर एंटी रोमियो स्ववायद ड्रा



त्योहारों के समय पुलिस प्रशासन 24 घंटे रहे अलर्ट

मुख्यमंत्री ने कहा कि शांति, सुरक्षा और सुशासन के मद्देनजर यह समय संवेदनशील है। ऐसे में पिछले अनुभवों से सीखते हुए पर्व- त्योहारों के समय में पुलिस और प्रशासन सहित पूरी टीम यूपी को 24/7 अलर्ट रहना होगा। सभी पर्व शांति और सौहार्द के बीच पूरे हों सके, इसके लिए स्थानीय जरूरतों को देखते हुए सभी जरूरी प्रयास किए जाएं। पिछले एक महीने की गतिविधियों की समीक्षा करें और विन्धित उपद्रवियों/अराजक तत्वों को पाबंद करें। माहौल खराब करने की कोशिश करने वाले अराजक तत्वों के साथ पूरी कठोरता की जाए। प्रदेश में किसी भी प्रकार का उपद्रव स्वीकार नहीं किया जा सकता। अराजक तत्वों/उपद्रवियों को उनकी भाषा में ही जवाब दिया जाए।

त्योहारों के समय साफ-सफाई का रहे माहौल

सीएम ने कहा कि पर्व एवं त्योहारों के दौरान पूरे प्रदेश में स्वच्छता का माहौल हो, इसके लिए नगर विकास और पंचायती राज विभाग द्वारा विशेष प्रयास किए जाएं। लोगों की आस्था का यथोचित सम्मान करते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि मंदिरों में साफ-सफाई और पेयजल की समुचित व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बिजली की आपूर्ति रोस्टर के अनुसार निर्बाध तरीके से की जाए। विभिन्न विभागों से संबंधित संड़कों की मरम्मत और नवीनीकरण तय समय सीमा के अंदर पूरी कर ली जाए। जिससे त्योहारों में लोगों को परेशानी न हो।

शोहदों को चिन्हित करते हुए प्रभावी कार्रवाई की जाए।

अभियान में अच्छा कार्य करने वाली महिला होंगी चिन्हित

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिला वीट अधिकारी ग्राम पंचायतों में लोगों को महिला सुरक्षा के संबंध में जागरूक करें। शासन की योजनाओं की जानकारी भी उन्हें दें। इसके अलावा पिंग बूथ सक्रिय रहें। मिशन शक्ति

अभियान के तहत अच्छा कार्य करने वाली महिलाओं के चिन्हित किया जाए और उन्हें प्रदेश व जनपद स्तर पर सम्मानित किया जाए। प्रदेश सरकार की जिम्मेदारी हर कॉमन मैम को सुरक्षा देने की है।

बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि बेहतर कानून-व्यवस्था, सतत संवाद और सभी वर्गों से मिल रहे सहयोग का ही परिणाम है कि हाल के वर्षों में प्रदेश

में सभी पर्व-त्योहार शांति और सौहार्द पूर्ण माहौल में पूरे हो रहे हैं। बीते पर्व- त्योहार पर प्रदेश में सुखद माहौल रहा। इसी तरह आगामी पर्व त्योहारों- पितृ विसर्जन, शारदीय नवरात्रि, विजयादशमी, गांधी जयंती, लाला बहादुर शास्त्री जयंती, अग्नेशन जयंती, महर्षि वाल्मीकि जयंती, दीपोत्सव, दीपावली और काशी की देव दीपावली और छठ महापर्व जैसे खास त्योहारों में बेहतर टीमवर्क और जनसहयोग का यह सिलसिला ऐसे ही जारी रखा जाए।

फेक खबरों और शरारती तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई

सीएम योगी ने कहा कि अधिकारियों द्वारा सोशल मीडिया पर चौकसी बढाई जाए। फेक अकाउंट बनाकर माहौल खराब करने वाली अफवाह/फेक न्यूज प्रसारित करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

सोशल और डिजिटल मीडिया के जरिए घटनाओं के सही तथ्य समय पर लोगों के सामने लाए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि कुछ शरारती लोग दूसरे समुदाय के लोगों को बेवजह भड़काने की कोशिश कर सकते हैं, इसलिए ऐसे मामलों पर ध्यान रखा जाए। हर शहर की जरूरत के अनुसार ट्रैफिक प्लान तैयार किया जाए।



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा किया गया स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार हेतु ‘मिशन शक्ति-5.0’ की शुरुआत जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों ने जन-जागरूकता हेतु ‘पोषण माह’ रैली को किया रवाना

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में "महिलाओं तथा बच्चों की सुरक्षा, सशक्तिकरण व सम्मान" के उद्देश्यों के साथ "मिशन शक्ति" के रूप में वृहद अभियान के पहले चरण की शुरुवात 17 अक्टूबर 2020 को की गई थी तथा अभी तक 4 चरणों में इसका संचालन किया जा चुका है।

जिसके क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शनिवार को लोक भवन में आयोजित समारोह स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार में 'मिशन शक्ति-5.0' की शुरुआत की गयी। मिशन शक्ति के अंतर्गत प्रदेश में महिला एवं बाल विकास विभाग, गुह, सहित 28 विभागों तथा समाज-सेवी संस्थायें तथा शैक्षणिक संस्थानों द्वारा प्रतिभाग किया गया। इस कार्यक्रम का सजीव प्रसारण सभी जनपदों/ तहसीलों में



जनप्रतिनिधियों/ अधिकारियों की अध्यक्षता में देखा गया। जनपद गाजियाबाद में एनआईसी कलेक्ट्रेट में महापौर सुनीता दयाल, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती ममता त्यागी, पुलिस कमिश्नर जे०रविन्द्र गौड़, जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़, एडिशनल सीपी केशव चौधरी, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, जिला विकास

अधिकारी श्रीमती प्रज्ञा श्रीवास्तव सहित अन्य गणमान्यों द्वारा "मिशन शक्ति" कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया।

इसके अलावा लोनी में नन्दकिशोर गुर्जर विधायक लोनी की अध्यक्षता व एंडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट, दीपक सिंघनवाल ज्वॉइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी लोनी की गरिमामयी उपस्थिति में लोनी तहसील



में उक्त कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। वहीं मोदीनगर तहसील में डॉ.मंजू शिवाच विधायक मोदीनगर की अध्यक्षता व एसडीएम अजीत सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में उक्त कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। सजीव प्रसारण के उपरान्त माननीय जनप्रतिनिधियों / अधिकारियों द्वारा पोषण माह की रैली

को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। इस पोषण माह रैली के माध्यम से लोगों में जागरूकता फैलाई जायेगी। यह कार्यक्रम स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान (17 सितंबर - 2 अक्टूबर, 2025 तक) व आठवां राष्ट्रीय पोषण माह (17 सितंबर से 16 अक्टूबर, 2025) तक चलाया जायेगा। इस दौरान प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना अंतर्गत



मातृत्व लाभ का वितरण, सभी 75 जनपदों में मेडिकल कॉलेज, जिला चिकित्सालय, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिरों पर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य शिविर में कराया जायेगा। इसके साथ ही अभियान की गतिविधियों में सभी महिलाओं के लिए चिकित्सा जाँच और स्वास्थ्य सेवाएँ में ईएनटी, नेत्र, रक्तचाप, मधुमेह और दंत जाँच,

केसर जाँच-मुख / स्तन / ग्रीवा, गर्भवती महिलाओं के लिए प्रसवपूर्व जाँच, टीकाकरण सेवाएँ / एनीमिया का स्तर, टेलीमानस सुविधाएँ / टीबी जाँच, सिकल सेल एवं विशेष परामर्श भी दिये जायेंगे। स्वास्थ्य सेवाओं की पहुँच आसान बनाने के लिए मातृ एवं शिशु सुरक्षा (एमसीपी) कार्ड, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना नामांकन, आयुष्मान वय वंदना कार्ड,

सिकल सेल कार्ड, आभा आई डी कार्ड पंजीकरण, पोषण ट्रेकर में लाभार्थियों का पंजीकरण कराये जायेंगे। स्वस्थ जीवनशैली और स्वास्थ्य के मानकों को बनाए रखने हेतु चीनी और खाद्य तैलों में 10% की कमी के साथ मोटापा कम करना, स्थानीय और क्षेत्रीय भोजन को बढ़ावा देना, प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिशु एवं छोटे बच्चों के आहार संबंधी आचरण, मासिक धर्म स्वच्छता, संवर्धन और पोषण, टेक होम राशन के वितरण की जानकारी व कार्य कराये जायेंगे। नागरिकों की सक्रिय भागीदारी हेतु रक्तदान शिविर, निःशुल्क मित्र स्वयंसेवी पंजीकरण व अंगदान पंजीकरण हेतु आवाह्न किया जायेगा। इन सेवाओं का लाभ लेने के लिए महिलायें एवं बच्चे अपने नजदीकी आयुष्मान आरोग्य मंदिर, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र या आंगनवाड़ी केन्द्र से भी संपर्क कर सकते हैं।

जनपद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न 163 शिकायतें प्राप्त, मौके पर 14 का निस्तारण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शासनादेश के मद्देनजर माह के प्रथम व तृतीय शनिवार हो सम्पूर्ण समाधान दिवस मनाया जाता है जिसके क्रम में जनपद गाजियाबाद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया।

लोनी तहसील

लोनी विधायक नन्दकिशोर गुर्जर की अध्यक्षता एवं एंडीएम एफ/आर सौरभ भट्ट, दीपक सिंघनवाल ज्वॉइंट मजिस्ट्रेट/उपजिलाधिकारी लोनी की गरिमामयी उपस्थिति में लोनी तहसील में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस के दौरान कुल 49 शिकायतें प्राप्त हुईं और मौके पर 03 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान तहसीलदार, पुलिस अधिकारी, नगर पालिका सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

मोदीनगर तहसील

विधायक डॉ.मंजू शिवाच की



अध्यक्षता व एसडीएम अजीत सिंह की गरिमामयी उपस्थिति में मोदीनगर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। इस दौरान 64 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिसमें से मौके पर 03 शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान एसीपी लोनी, तहसीलदार सहित अन्य विभागों के

अधिकारी/ कर्मचारी उपस्थित रहे।

सदर तहसील

एसडीएम अरूण दीक्षित अरूण दीक्षित की अध्यक्षता में सदर तहसील में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। इस दौरान कुल 50 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिसमें मौके पर 08

शिकायतों का निस्तारण किया गया। इस दौरान नगर निगम के अधिकारी, तहसीलदार, पुलिस अधिकारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। इस प्रकार जनपद की तीनों तहसीलों में 163 शिकायतें प्राप्त हुईं और मौके पर 14 शिकायतों का निस्तारण हुआ।

जनसुनवाई में धवल जायसवाल की कार्यशैली पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ सेवा

धवल जायसवाल ने नियमित समीक्षा और वार्ता के माध्यम से सुनिश्चित किया समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण समाधान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। आमजन की समस्याओं के निस्तारण के लिए पुलिस उपायुक्त नगर धवल जायसवाल ने शनिवार को अपने कार्यालय में नागरिकों से वार्ता कर उनकी समस्याओं और शिकायतों को सीधे सुना। यह प्रक्रिया नियमित रूप से शनिवार को आयोजित की जाती है, ताकि पुलिस और नागरिकों के बीच विश्वास और पारदर्शिता बनी रहे और हर शिकायत का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके।

पुलिस उपायुक्त नगर धवल जायसवाल ने कहा कि हमारे लिए नागरिकों की समस्याओं का शीघ्र समाधान प्राथमिकता है। हर शिकायत



का निवारण केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण तरीके से करना हमारी जिम्मेदारी है। हम सुनिश्चित करेंगे कि शिकायतकर्ता को उसकी समस्या का समाधान समय पर मिले। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि

शिकायत निवारण केवल सुनवाई तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि संबंधित विभाग और अधिकारी समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करेंगे। धवल जायसवाल ने कहा कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य नागरिकों को यह भरोसा

देना है कि पुलिस प्रशासन उनकी समस्याओं को गंभीरता से लेता है और उनके समाधान के लिए सक्रिय, पारदर्शी और जवाबदेह है।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों की जांच और निवारण में किसी तरह की लापरवाही न हो और सभी शिकायतों का रिकॉर्ड नियमित रूप से अपडेट किया जाए। पुलिस उपायुक्त नगर की कार्यशैली में यह विशेषता है कि वे नागरिकों से सीधे संवाद, उनके मुद्दों को गहन समझ और त्वरित कार्रवाई पर जोर देते हैं। उनके मार्गदर्शन में शिकायतकर्ताओं के अनुभव और प्रतिक्रिया को भी सिस्टम में शामिल किया जाता है, ताकि भविष्य में निवारण प्रक्रिया और अधिक प्रभावी और पारदर्शी हो सके। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह पहल न

केवल गाजियाबाद पुलिस की सेवा गुणवत्ता को बढ़ावा दे रही है, बल्कि शहर में नागरिकों और पुलिस के बीच विश्वास और सहयोग की भावना को भी मजबूत कर रही है।

नागरिकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि पुलिस अब उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनती है और उनका समयबद्ध समाधान किया जाता है। धवल जायसवाल की कार्यशैली को पुलिस विभाग में एक मॉडल के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें नियमित संवाद, त्वरित समाधान और पारदर्शी कार्रवाई को प्राथमिकता दी जाती है। अधिकारी लगातार यह सुनिश्चित करते हैं कि नागरिकों की शिकायतों का समाधान न केवल शीघ्र हो बल्कि गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक भी हो।

गाजियाबाद में वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बस की उपयोगिता तथा

प्रबंधन बढ़ाने हेतु नगर आयुक्त ने अधिकारियों से की बैठक

इलेक्ट्रिक बसों की उपलब्धता बढ़ाएगा विभाग, गाजियाबाद नगर निगम तथा सिटी ट्रांसपोर्ट संयुक्त रूप से करेगा कार्यवाही: विक्रमादित्य सिंह मलिक



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक द्वारा गाजियाबाद में वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों की उपलब्धता बढ़ाने तथा प्रबंधन को और अधिक मजबूती देने के लिए अधिकारियों से बैठक की गई तथा चल रहे कार्यों की जानकारी लेते हुए समीक्षा की गई, जिसमें सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक वित्त एसडी शर्मा द्वारा कार्यालय की प्रगति, तथा कौशांबी से दादरी, लोनी, मंडोला व अन्य क्षेत्र में चल रही वातानुकूलित बसों के बारे में विस्तार से बताया गया प्रबंधन को और अधिक मजबूती देने के लिए चर्चा भी की गई।

नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि उत्तर प्रदेश अंतर्राष्ट्रीय व्यापार शो 2025 का आयोजन ग्रेटर नोएडा में भव्य रूप से होने जा रहा है जो की 25 सितंबर से प्रारंभ होकर 29 सितंबर तक होगा जिसमें गाजियाबाद सिटी ट्रांसपोर्ट के माध्यम से 30 बसों को ड्राइवर कंडक्टर के साथ भेजा जाएगा जो की कार्यक्रम में दर्शकों के लिए निशुल्क रहेगी, बैठक में उपस्थित टीम को व्यवस्था पूर्ण रूप से बनाने के



निर्देश दिए गए हैं, गाजियाबाद में वातानुकूलित इलेक्ट्रिक बसों की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए योजना बनाई जा रही है आगामी दो माह के भीतर गाजियाबाद नगर निगम तथा गाजियाबाद सिटी ट्रांसपोर्ट मिलकर संयुक्त कार्यवाही करेगी जिसमें इलेक्ट्रिक व्हीकल को बढ़ावा दिया जाएगा इसी के साथ बस शेल्टर के लिए गाजियाबाद में स्थान चिन्हित करने का भी किया जा रहा है जिसको ट्रिपल पी के आधार पर करने की योजना बनाई जा रही है।

गाजियाबाद शहर की जनता को वातानुकूलित बस की उपलब्धता बढ़ाने पर यात्रा करने में राहत रहेगी तथा सुविधाजनक यात्रा के साथ-साथ इलेक्ट्रिक बस प्रदूषण कम करने की ओर भी प्रशंसनीय भूमिका निभाएगी, जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ क्षेत्र वासियों का भी सहयोग वत अनुकूलित बेसन की उपलब्धता बढ़ाने में लिया जाएगा योजना बनाई जा रही है, बैठक के अंत में नगर आयुक्त द्वारा सप्ताह एक बार गाजियाबाद नगर निगम अधिकारियों तथा सिटी ट्रांसपोर्ट अधिकारियों की बैठक आयोजित करने के निर्देश टीम को दिए गए, बैठक में सिटी ट्रांसपोर्ट से वरिष्ठ अधिकारियों में राजेंद्र कुमार डिप्टी कलेक्टर मुख्य संचालन अधिकारी भी उपस्थित रहे।

गाजियाबाद बनेगा प्रदेश का आदर्श मॉडल शहर: सीएम योगी

सीएम बोले- यूपी का विकास ही भारत के विकास की धुरी, ट्रेड शो से यूपी को मिलेगी वैश्विक पहचान



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के दौरे पर रहे। यह दौरा राजनीतिक, औद्योगिक और विकासात्मक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने पहले ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपोज़ मार्ट पहुंचकर आगामी यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2025 की तैयारियों का जायजा लिया और अधिकारियों के साथ करीब एक घंटे तक गहन समीक्षा बैठक की। इसके बाद उन्होंने गाजियाबाद में आयोजित ‘विकसित भारत - विकसित उत्तर प्रदेश’ कार्यक्रम में भागीदारी पर जोर देते हुए गाजियाबाद को भविष्य का आदर्श शहर बनाने का संकल्प दोहराया।

ग्रेटर नोएडा में मुख्यमंत्री योगी

आदित्यनाथ ने यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के तीसरे संस्करण की विस्तृत तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि इस आयोजन को पिछले साल से अधिक भव्य और सफल बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन केवल व्यापारिक गतिविधियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश की आर्थिक, सांस्कृतिक और औद्योगिक ताकत को दुनिया के सामने प्रस्तुत करने का सुनहरा अवसर है। इस बार आयोजन का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे और विशेष रूप से रूस को कटौती पार्टनर बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि देश-विदेश से आने वाले मेहमानों और उद्यमियों के लिए हर सुविधा सुनिश्चित की जाए, चाहे वह स्टॉल लगाने का प्रबंधन हो, टैफिक व्यवस्था हो, सुरक्षा व्यवस्था हो या पार्किंग की समस्या। योगी

आदित्यनाथ ने स्पष्ट कहा कि इस आयोजन से प्रदेश के उद्यमियों और उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उत्तर प्रदेश की पहचान ग्रामीण शिल्प से लेकर आधुनिक उद्योगों तक फैली है और इस बहुआयामी ताकत को दुनिया के सामने रखने का यह बेहतरीन मौका है। मुख्यमंत्री ने भरोसा जताया कि यह आयोजन प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में निर्णायक कदम साबित होगा। औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने भी कहा कि ट्रेड शो प्रदेश के गांवों और कस्बों के कारीगरों को वैश्विक बाजार से जोड़ने का माध्यम है। उन्होंने बताया कि पिछले दो संस्करणों ने सिद्ध कर दिया है कि उत्तर प्रदेश के उद्यमी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना रहे हैं। पिछले साल के आयोजन से व्यापारियों

को 2027 तक के ऑर्डर मिले थे और इस बार उससे भी अधिक कारोबार और अवसर मिलने की संभावना है। सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान ने बताया कि उत्तर प्रदेश में करीब 96 लाख एमएसएमई इकाइयां कार्यरत हैं और यह ट्रेड शो उन सभी को एक ही छत के नीचे लाने का अनूठा मंच है। उन्होंने कहा कि पिछले साल इस आयोजन से लगभग 22 करोड़ रुपये का व्यापार हुआ था, जबकि इस बार उम्मीद है कि आंकड़ा कई गुना बढ़ेगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को याद दिलाया कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो केवल आर्थिक गतिविधियों का मंच नहीं है बल्कि यह उत्तर प्रदेश की संस्कृति, परंपरा और औद्योगिक सामर्थ्य का परिचायक भी है।

ग्रेटर नोएडा में समीक्षा बैठक पूरी करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गाजियाबाद पहुंचे। वहां



पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में विकसित भारत 2025 कार्यक्रम आयोजित था। मुख्यमंत्री का हेलिकॉप्टर दोपहर करीब साढ़े तीन बजे गाजियाबाद पुलिस लाइन स्थित हेलीपैड पर उतरा। वहां कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए थे। हेलीपैड से सड़क मार्ग द्वारा मुख्यमंत्री सीधे ऑडिटोरियम पहुंचे, जहां बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में अपने उद्घोषण के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजियाबाद को प्रदेश की विकास धुरी बताते हुए कहा कि भारत का विकास तभी संभव है जब उत्तर प्रदेश तेजी से आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि यदि गाजियाबाद विकसित होगा तो प्रदेश और देश दोनों की विकास गति और तेज होगी। मुख्यमंत्री ने शिक्षा, स्वास्थ्य, उद्योग, व्यापार और खेल

जैसे क्षेत्रों में गाजियाबाद की क्षमता को रेखांकित करते हुए कहा कि यह शहर आने वाले समय में उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक प्रगति में निर्णायक योगदान दे सकता है। मुख्यमंत्री ने जनता से सक्रिय भागीदारी की अपील करते हुए कहा कि सरकार की योजनाएं और कार्यक्रम तभी सफल हो सकते हैं जब उनमें जनता की भागीदारी सुनिश्चित हो। उन्होंने लोगों को प्रेरित किया कि वे अपने सुझाव सीधे मुख्यमंत्री पोर्टल पर भेजें। इसके अलावा उन्होंने एक नई पहल की घोषणा की कि लोग अपने सुझाव पोस्टकार्ड पर लिखकर भी भेज सकते हैं। योगी आदित्यनाथ ने भरोसा दिलाया कि उपयोगी और रचनात्मक सुझावों को न केवल गंभीरता से लिया जाएगा, बल्कि उन्हें लागू भी किया जाएगा और ऐसे लोगों को कार्यक्रमों में सम्मानित किया जाएगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूर्व सांसद डॉ. रमेश चंद तोमर की पुस्तक ‘ह्रस्व भारत वर्ष’ की स्वर्णार्भा नरेंद्र मोदीह का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक भारत के वर्तमान विकास युग की झलक प्रस्तुत करती है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की नई पहचान को उजागर करती है। मुख्यमंत्री ने पुस्तक के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह आने वाली पीढ़ियों को देश की विकास गाथा समझने में मदद करेगी। कार्यक्रम में मौजूद सांसदों, विधायकों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का जोरदार स्वागत किया। सुभागर में मौजूद लोगों ने उनके संबोधन को ध्यानपूर्वक सुना और तालियों की गड़गड़ाहट से बार-बार उनका उत्साहवर्धन किया। मुख्यमंत्री ने

समापन में कहा कि गाजियाबाद को शिक्षा, चिकित्सा, उद्योग और खेल जैसे क्षेत्रों में और अधिक निवेश और प्रयासों की जरूरत है। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता और सरकार के सहयोग से गाजियाबाद आने वाले समय में उत्तर प्रदेश का सबसे विकसित शहर बनेगा और यह पूरे देश के लिए एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत करेगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का यह दौरा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लिए नई दिशा तय करने वाला माना जा रहा है। एक ओर उन्होंने ग्रेटर नोएडा से प्रदेश की आर्थिक उड़ान का रोडमैप प्रस्तुत किया, तो दूसरी ओर गाजियाबाद से जनभागीदारी और विकास का संदेश दिया। यह दौरा न केवल प्रदेश की औद्योगिक शक्ति को नई पहचान दिलाने का प्रयास है बल्कि यह जनता और सरकार के बीच नए विश्वास का सेतु भी है।

श्री सुल्लामल रामलीला कमेटी में दशहरा पर्व पर रावण दहन के मुख्य अतिथि होंगे सांसद अतुल गर्ग

रामलीला महोत्सव के अन्य दिनों में महापौर, विधायक, एमएलसी, पूर्व सांसद और महानगर अध्यक्ष रहेंगे विशिष्ट अतिथि



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। श्री सुल्लामल रामलीला कमेटी ने आगामी 2 अक्टूबर को दशहरा पर्व पर होने वाले रावण दहन कार्यक्रम के लिए सांसद अतुल गर्ग को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया है। इसके साथ ही रामलीला महोत्सव के अन्य दिनों में कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा , राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार नरेंद्र कश्यप, महापौर सुनीता दयाल , शहर विधायक संजीव शर्मा , एमएलसी दिनेश गोयल ,



भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल , मुरादनगर से विधायक अजीत पाल त्यागी तथा पूर्व सांसद अनिल

अग्रवाल को भी विशिष्ट अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। सभी जनप्रतिनिधियों ने समिति का निमंत्रण

स्वीकार करते हुए रामलीला महोत्सव की सफलता के लिए शुभकामनाएं प्रेषित कीं और अपनी उपस्थिति का आश्वासन दिया। आमंत्रण के लिए गए प्रतिनिधि मंडल में स्वागत अध्यक्ष सुभाष गुप्ता , पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार , वीरू बाबा खलीफा, ज्ञान प्रकाश गोयल , महामंत्री नरेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुधीर गोयल (मोन्) , वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव मितल एवं कार्यकारी सदस्य सुनील गोयल (पप्पू), सुनील गुप्ता शामिल रहे।

जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने हापुड़ में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को किया संबोधित

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

हापुड़। उत्तर प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह शुक्रवार को सेवा पखवाड़ा सप्ताह के अंतर्गत हापुड़ पहुंचे। उन्होंने एस.एस.वी. डिग्री कॉलेज में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में अपने विचार रखते हुए केंद्र प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को जनता के सामने रखा। मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का एक ही संकल्प है-समाज के अंतिम पायदान तक खड़े व्यक्ति को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के प्रयासों से आज भारत हर क्षेत्र में चौतरफा विकास कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से आयुष्मान कार्ड योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह बुजुर्गों के लिए किसी संजीवनी से कम नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देश की सेवा करते हुए 11 वर्ष हो चुके हैं और शायद ही कोई ऐसा दिन रहा हो जब उन्होंने देशहित की चिंता न की हो। बड़े से बड़े निर्णय लेना और उसे राष्ट्रहित में लागू करना मोदी जी की कार्यशैली की विशेषता है। स्वतंत्र देव सिंह ने याद दिलाया कि जब आतंकवादियों ने चुनौती दी थी कि लाल चौक पर तिरंगा फहराकर दिखाओ, तब नरेंद्र



मोदी ने उस चुनौती का करारा जवाब देकर पूरे देश को गौरवान्वित किया था। सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि मोदी जी के समर्थक केवल भारत में ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व में हैं। जहां भी वह जाते हैं, लोग उनकी बातों से प्रभावित होकर उनका अनुसरण करते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश तोमर ने की। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रेखा नगर, जिला प्रभारी सतपाल सैनी, क्षेत्रीय मंत्री कविता

मादरे, गढ़मुक्तेश्वर विधायक हरेंद्र तेवतिया, सदर विधायक विजयपाल आडती, जिला महामंत्री राजीव सिरौही, पुनीत गोयल, मोहन सिंह, जिला उपाध्यक्ष श्यामेंद्र त्यागी, राकेश त्यागी, राजेंद्र तेवतिया, पूर्व मंत्री मदन चौहान, पिलखुवा नगर पालिका अध्यक्ष विष्णु बंसल, ब्लॉक प्रमुख निशांत सिसोदिया और जिला मीडिया प्रभारी सुयश बरिष्ठ सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दीपावली से पहले शहर के सभी वार्ड रोशनी से होंगे चकाचौंध: महापौर महापौर ने सभी पार्षदों को स्थान चिन्हितकरण कर लाइट लगवाने को कहा



यू.पी. ऑब्ज़र्वर
गाजियाबाद। आगामी माह में दीपावली का त्यौहार आने वाला है जिसको लेकर महापौर और नगर आयुक्त के निर्देशन में नगर निगम अधिकारियों ने तैयारियां शुरू कर दी है और इन्हीं तैयारियों के चलते 5000 एलईडी लाइट खरीद ली गयी है और इस वर्ष समय रहते 100

वाडों में लगा दिया भी जाएगा। इसी क्रम में महापौर सुनीता दयाल द्वारा सभी पार्षदों को सूचना भी भेज दी गयी है कि सभी पार्षद अपने अपने वार्ड के ऐसे स्थान जहाँ पर लाइट नहीं है उनको चिन्हीकरण कर नगर निगम में प्रकाश प्रभारी को दे दें। जिससे समय रहते आपके वार्डों में दीवाली से पहले सभी लाइट लग सके। महापौर ने प्रकाश प्रभारी

को सख्त निर्देश दिए हैं कि सभी वार्डों को लाइट समय से लगाई जाए और चिन्हित स्थानों पर ही लगाई जाए। जिसका जियोटैग फोटो लेकर सभी वार्डों का सम्पूर्ण विवरण के साथ रजिस्टर बनाया जाए। जिससे लाइटों का ब्यौरा भी उपलब्ध रहेगा और लाइट लगाने के कार्य पर भी पारदर्शिता बनेगी।

रालोद अकेले लड़ेगी पंचायत चुनाव, एकता यात्रा से पूरे प्रदेश में संगठन को मजबूत करेगी पार्टी: त्रिलोक त्यागी

जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ताओं को भरोसा, रालोद की रणनीति किसानों, मजदूरों और वंचितों के हित में

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के राष्ट्रीय महासचिव और संगठन प्रमुख त्रिलोक त्यागी ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि आगामी वर्ष में प्रस्तावित जिला पंचायत और ग्राम पंचायत चुनाव रालोद अकेले लड़ेगी। उन्होंने कहा कि एनडीए में शामिल रालोद को ओर से चुनाव चिन्ह इस बार नहीं दिया जाएगा और पार्टी बिना किसी गठबंधन के सीधे चुनाव मैदान में उतरेगी। उन्होंने यह भी बताया कि ब्लॉक प्रमुख और जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में

दोनों प्रमुख दल एक-दूसरे को समर्थन देंगे। त्रिलोक त्यागी ने कहा कि रालोद हमेशा से किसानों, मजदूरों और वंचित वर्ग के लिए लड़ती रही है। उन्होंने आगे बताया कि वे भारत रत्न चौधरी चरण सिंह के अनुयायी हैं और राजनीति में सब कुछ संभव है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस बार किसानों को गन्ने का बेहतर मूल्य मिलेगा, इसके लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में वार्ता की गई है। रालोद के संगठन विस्तार और सदस्यता अभियान पर भी उन्होंने प्रकाश डाला। आगामी दो अक्टूबर

गांधी जयंती से देशभर के राज्यों में एकता यात्रा निकाली जाएगी, जिसमें रालोद के 18 मंडलों में सम्मेलन होगा। इस सम्मेलनों में राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी भी शिरकत करेंगे। यात्रा का उद्देश्य समाज के सभी वर्गों-युवा, अल्पसंख्यक, महिलाओं को जोड़ना और संगठन को मजबूत करना है। यात्रा का समापन 31 अक्टूबर को झांसी में होगा। त्रिलोक त्यागी ने बताया कि एकता यात्रा में लोगों की समस्याओं को सुनकर उनका समाधान कराया जाएगा और प्रत्येक मंडल के कार्यकर्ताओं को सक्रिय कर पार्टी

की गतिविधियों को गति दी जाएगी। उन्होंने सदस्यता अभियान के अंतर्गत हर कार्यकर्ता को कम से कम 20 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य दिया। ऐसा करने वाले कार्यकर्ताओं को ही पार्टी में पद मिलेगा। इस अवसर पर रालोद खेल प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी विस्तार बैठक भी आयोजित की गई। राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नीरपाल सिंह ने कार्यकारिणी की घोषणा की। महानगर अध्यक्ष संजीव अरोड़ा ने नई टीम में महासचिव पद पर हरीश गैमर, राहुल चौधरी, आजार अली और अनुज बवेजा को नियुक्त किया।

उपाध्यक्ष पद पर रविन्द्र कुर दादु और अखिल शर्मा तथा सचिव पद पर ताहिर, रिजवान, अनुज और विनोद को जिम्मेदारी दी गई। उपस्थित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नई टीम का स्वागत किया और विश्वास जताया कि इनकी सक्रियता से संगठन और मजबूत होगा। त्रिलोक त्यागी ने अंत में कहा कि रालोद का लक्ष्य हमेशा समाज के सभी वर्गों को सशक्त करना और जनहित के मुद्दों को आगे बढ़ाना रहा है। आगामी चुनाव और संगठन विस्तार के साथ रालोद प्रदेश में अपनी ताकत और मजबूती साबित करेगी।



विचार-विमर्श

नरेन्द्र मोदी: सेवा प्रथम भाव से ओतप्रोत नेतृत्व



विराट व्यक्तित्व उनकी नेतृत्व क्षमता, दूरदर्शिता और जनसमर्थन का परिणाम है। उन्होंने अपने जीवन में कई चुनौतियों का सामना किया है और उन्हें पार किया है, जो उनकी मजबूत इच्छाशक्ति और संकल्प को दर्शाता है।

नरेन्द्र मोदी जी का आरंभिक जीवन गुजरात के एक छोटे से शहर वडनगर में बीता। पिता दामोदर दास मूलचंद मोदी और माता हीराबेन के परिवार में 17 सितंबर 1950 को उनका जन्म हुआ। उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य थी और पिता चाय की एक दुकान चलाते थे। अपनी स्कूली शिक्षा वडनगर में पूरी की और बाद में उन्होंने गुजरात विश्वविद्यालय से राजनीति विज्ञान में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। छात्र जीवन से ही वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ गए और उन्होंने संघ के साथ अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत की। नरेन्द्र मोदी जी का पूरा जीवन निस्वार्थ सेवा भाव में ही गुजरा है और आज भी विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के शीर्ष पद पर विराजमान होने के बावजूद उनका यह

भाव जीवंत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भारतीय जनमानस पर प्रभाव बहुत गहरा और व्यापक है। उनकी लोकप्रियता और राजनीतिक कौशल कई मायनों में अद्वितीय हैं। वह एक प्रभावी वक्ता हैं जो अपने शब्दों से लोगों को प्रभावित करते हैं। वह एक कुशल राजनीतिक रणनीतिकार हैं। जनता के व्यापक समर्थन से प्रधानमंत्री ने भारत में आर्थिक सुधार के लिए कई साहसिक कदम उठाए हैं जिनमें जीएसटी और नेटवर्क प्रमुख हैं।

इन आर्थिक सुधारों ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में मदद की है। जनता में उनके समर्थन और उनके प्रति अनुसरण के भाव को स्वच्छ भारत अभियान और बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे अभियानों में देखा जा सकता है जिन पर पूरे देश में उन्हें जनसमर्थन प्राप्त हुआ है। ‘मन की बात’ में गाँव के किसी साधारण श्रमिक की कहानी या कोविड-19 में फ्रंटलाइन वर्कर्स का अभिनंदन कर उन्होंने यह दिखाया कि हर योगदान मायने रखता है। कोविड-19 महामारी के कठिन समय में नरेंद्र मोदी की सबसे बड़ी विभुता यह रही कि उन्होंने केवल प्रशासनिक स्तर पर ही नहीं, बल्कि भारतीय मन की गहराई में समझते हुए जनता का मनोबल बनाए रखा। जब भय और असुरक्षा का वातावरण था, तब उन्होंने सरल प्रतीकों और सांस्कृतिक जुड़ावों के माध्यम से लोगों में सामूहिक ऊर्जा जगाई। शाली और ताली बजाने का आह्वान इस बात का उदाहरण था कि उन्होंने भारतीय समाज की उस प्रवृत्ति को पहचाना जहाँ किसी उत्सव या चुनौती में ध्वनि और प्रतीकात्मक कर्मकांड से एकता और संकल्प का

संदेश मिलता है। यह ठीक वैसा ही था जैसा महात्मा गांधी ने चरखे को स्वदेशी आंदोलन का प्रतीक बनाया था—साधारण कर्म से गहरा संदेश। ‘वोकल फॉर लोकल’ जैसी पहल, हस्तशिल्प को वैश्विक मंच पर ले जाना और राज्य स्तरीय अनेक पहल को केंद्र की योजनाओं से जोड़ना इस सोच का उदाहरण हैं।

विश्व में वह एक मजबूत नेता के तौर पर उभरे हैं। राष्ट्र के हितों को सर्वोपरि मानते हुए उन्होंने जिस तरह के अमेरिकी टैरिफ मसले पर रणनीति अपनाई है उसने पूरे विश्व को दिखा दिया है कि भारत राष्ट्र हितों पर किसी के आगे झुकने को तैयार नहीं है। विभिन्न देशों के बीच सामंजस्य बनाने का प्रधानमंत्री के पास एक अद्वितीय कौशल है। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी उनकी कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा था कि उन्हें लगता है कि मोदी 24 घंटे देश के लिए काम करते हैं। यह कथन उनकी असाधारण कार्यक्षमता और समर्पण को दर्शाता है। उनकी विदेश नीति और कूटनीतिक प्रयासों ने भारत को वैश्विक मंच पर एक महत्वपूर्ण भूमिका दिलाई है। उन्होंने ग्लोबल साउथ के देशों के साथ संबंधों को मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और जी- 20 जैसे वैश्विक मंचों पर भारत की आवाज को बुलंद किया है। उन्होंने आर्थिक कूटनीति पर ध्यान केंद्रित किया है, जिससे देश के व्यापार और निवेश में वृद्धि हुई है। उन्होंने सांस्कृतिक कूटनीति का उपयोग करके विभिन्न देशों के साथ संबंधों को मजबूत बनाने का प्रयास किया है। इसके अंतर्गत योग और आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा दिया गया है।

सर्वपितृ अमावस्या का महत्त्व



प्रति वर्ष श्राद्ध विधि करना यह हिंदू धर्म का एक महत्वपूर्ण आचार धर्म है एवं उसका महत्व अनन्य साधारण है। पुराणकाल से चलती आ रही इस विधि का महत्व हमारे ऋषि मुनियों ने अनेक धर्म ग्रंथों में लिखकर रखा है। इस लेख में हम 'सर्वपितृ अमावस्या का महत्व' जानेंगे।दिवांक के अनुसार इस वर्ष सर्वपितृ अमावस्या 21 सितंबर को है।

पितृपक्ष की अमावस्या को ही 'सर्वपितृ अमावस्या' कहतेहैं।इस तिथि पर कुल के सभी पितरों के लिए यह श्राद्ध किया जाता है।पूरे वर्ष में अथवा पितृपक्ष के अन्य तिथियों पर श्राद्ध करना संभव ना होने पर, इस तिथि पर सभी पितरों के लिए यह श्राद्ध करना अत्यंत आवश्यक है; क्योंकि पितृपक्ष की यह अंतिम तिथि है।शास्त्र में बताया गया है कि श्राद्ध के लिए अमावस्या की तिथि अधिक योग्य तिथि है और पितृपक्ष की अमावस्या सर्वाधिक योग्य तिथि है। शास्त्र में जिन कृतियों के लिए जो काल निश्चित किया गया है, उस काल में

सर्वपितृ अमावस्या का महत्त्व

सर्वपितृ अमावस्या का महत्त्व

को कृति करना आवश्यक और महत्त्वपूर्ण है। इसलिए पितृपक्ष में ही महालय श्राद्ध करें। विभिन्न पक्षों ने पितृपक्ष में महालय श्राद्ध करने की बात कही है, पितृपक्ष में केवल एक दिन मृत व्यक्ति की मृत्यु तिथि पर ही महालय श्राद्ध किया जाता है।

यदि कोई जन्म शौच या मृत्यु शौच (सुवेरा-सूतक) या किसी अन्य उपरिहार्य कारण से उस तिथि पर महालय श्राद्ध करने में असमर्थ है तो उसे सर्वपितृ अमावस्या को श्राद्ध करना चाहिए। अन्यथा सुविधानुसार कृष्ण पक्ष की अष्टमी, द्वादशी, अमावस्या और व्यतिपात योग के दिन भी महालय श्राद्ध किया जा सकता है। कलिवुग में कम-अधिक प्रमाण में प्रत्येक को आध्यात्मिक कष्ट होने के कारण, श्राद्ध करने के साथ ‘श्री गुरुदेव दत्त’ यह नामजप भी अधिकाधिक करना चाहिए। तत्त देवता का पितरों के स्वामी होने के कारण उनके नामजप से पितरों को सद्गति मिलने में सहायता होती है। उसका लाभ हमें भी होता है।

कौशल सिखौला

हेनरी फोर्ड दुनिया के पहले ऐसे बिजनेस मैन थे जो अपने कर्मचारियों को मार्केट में सबसे ज्यादा वेतन देने के लिए जाने जाते थे। एक बार एक पत्रकार आया और उसने हेनरी फोर्ड से पूछा, ‘आप सबसे ज्यादा वेतन किसको देते हैं?’ फोर्ड मुस्कराए, और पत्रकार को अपने प्रोडक्शन रूम में ले गए। हर तरफ काम चल रहा था, लोग दौड़ रहे थे, घंटियाँ बज रही थीं, और लिफ्टें चल रही थीं। पूरे हॉल में अफरातफरी का माहौल था। उस अफरातफरी के बीच एक कैबिन था, जिसमें एक व्यक्ति आराम से कुर्सी पर पैर टेबल पर रखकर लेटा था। उसके चेहरे पर हँस था।

फोर्ड ने दरवाजा खटखटाया। वह व्यक्ति हैट के नीचे से देखा और थकी हुई आवाज में बोला, ‘हैलो हेनरी, आप ठीक हैं?’ फोर्ड मुस्कराए और सिर हिलाया। फिर दरवाजा बंद कर बाहर चले गए। पत्रकार चकित होकर पूरा दृश्य देखता रहा। फोर्ड हँसते हुए बोले, ‘यह व्यक्ति मेरी कंपनी में सबसे ज्यादा वेतन लेता है।’ पत्रकार हैरानी से पूछता है, ‘यह व्यक्ति क्या करता है?’ फोर्ड ने जवाब दिया, ‘कुछ नहीं। यह बस आता है, और सारा दिन टेबल पर पैर रखकर बैठा रहता है।’

पत्रकार ने पूछा, ‘तो आप इसे सबसे ज्यादा वेतन क्यों देते हैं?’ फोर्ड ने जवाब दिया, ‘क्योंकि यह मेरे लिए सबसे उपयोगी व्यक्ति है।’ फोर्ड का कहना था, ‘मैंने इस व्यक्ति को सोचने के लिए रखा है। मेरी कंपनी के सारे सिस्टम और गाड़ियों के डिजाइन इसी व्यक्ति के आइडियाज हैं।’ यह आता है, कुर्सी पर लेटता है, सोचता है, नए आइडियाज तैयार करता है, और मुझे भेज देता है। मैं उन पर काम करता हूँ और करोड़ों डॉलर कमाता हूँ।’



हथियारों की दौड़ दुनिया को सुरक्षित बनाएगी?

हर दौर में हुए युद्ध और उनके नतीजों ने यह साबित किया है कि यह किसी समस्या का समाधान नहीं है, बल्कि खुद ही एक समस्या है। शायद ही कोई सिद्धांत रूप में युद्ध का समर्थन करता दिखे, लेकिन बहाने अलग-अलग भले हों, उनकी आड़ में ज्यादातर देश अपने रक्षा खर्च को ऊँचा रखते हैं, दूसरे देशों की ओर से खतरा बता कर उसमें भारी बढ़ोतरी को जरूरी बताते हैं। उसके बाद शुरू होता है हथियारों की खरीद का सिलसिला, जो देशहित के अन्य बेहद जरूरी मसलों की कीमत पर होता है। इसमें कोई दोराय नहीं कि देश की रक्षा सबसे जरूरी मसला होना चाहिए, मगर यह हेरानी बात है कि ज्यादा सभ्य, शांत और विकसित होने का दावा करते ऐसे कई देश हैं, जो शांति के लिए ठोस पहलकदमी करने के बजाय युद्ध में इस्तेमाल होने वाले घातक हथियारों के खरीद-फरोख्त में लगे रहते हैं। सवाल है कि अगर बड़े पैमाने पर व्यापक जनसंहार के हथियार खरीदे या निर्मित किए जाते हैं, तो आखिर उनका इस्तेमाल क्या होगा और उसके नतीजे क्या सामने आएंगे। दरअसल, हाल के वर्षों में दुनिया कहीं ज्यादा हिंसाग्रस्त और खतरनाक बन चुकी है। एक रपट के मुताबिक, सन 2024 में वैश्विक स्तर पर राज्य आधारित संघर्षों की संख्या 1946 के बाद अपने सबसे उच्च स्तर पर पहुंच गई है। जब भी विश्व के किसी कोने में राज्य आधारित टकराव होते हैं, तब खासतौर पर युद्ध में शामिल देशों के अलावा आसपास के अन्य देश भी अपना रक्षा खर्च बढ़ा देते हैं और पहले से ज्यादा आधुनिक और घातक हथियार खरीदने लगते हैं। इस क्रम में देशों के बीच होड़ लग जाती है कि सबसे खतरनाक हथियार खरीदने में कौन सबसे आगे रहता है। कई बार युद्ध की महज आशंका को ही आधार बना कर व्यापक जनसंहार के हथियारों की खरीद शुरू हो जाती है। पिछले वर्ष सभी यूरोपीय देशों ने अपने सैन्य बजट बढ़ाए। रूस ने भी ऐसा ही किया। चीन ने पिछले तीस वर्षों में लगातार सैन्य खर्च बढ़ाया है, जबकि अमेरिका को रक्षा पर सबसे ज्यादा खर्च करने वाले देश के तौर पर देखा जाता है। करीब एक वर्ष पहले संयुक्त राष्ट्र ने ‘समित फार द फ्यूर’ यानी भविष्य के खातिर सम्मेलन का आयोजन किया था, जिसका मकसद शीत युद्ध के बाद बहुपक्षीय प्रणाली के पतन, संघर्ष की बढ़ती स्थितियों और मानवीय आपदाओं से निपटने पर चर्चा करना था। विडंबना यह है कि ऐसे सम्मेलनों में युद्ध पर रोक को लेकर जितनी संजीदगी दिखाई जाती है, उसका अमल में कोई खास असर नहीं दिखता। मसलन, संयुक्त राष्ट्र में इजराइल और हमास के बीच जारी संघर्ष के अंतिम्य और उसमें भाग गए पचास हजार से ज्यादा लोगों को लेकर काफी चिंता जताई जा चुकी है, लेकिन इजराइल को कोई फर्क नहीं पड़ा। अंदाजा इससे लगया जा सकता है कि पिछले कुछ दशकों में हुए शांति समझौते टूट रहे हैं और नए सिर से संघर्ष के हालात खड़े हो रहे हैं।

उत्तराखंड-हिमाचल और पंजाब में दशकों बाद ऐसी तबाही



मानसून अभी लौट ही रहा था कि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश से तबाही मच गई। इस मौसम में कई राज्यों में मूसलाधार बारिश और बाढ़ ने सैकड़ों नागरिकों का जीवन तो बेहाल किया ही, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं से निजी एवं सार्वजनिक संपत्ति को भी नुकसान पहुंचा। कई लोगों की जान चली गई। फसलों का भी नुकसान हुआ। दशकों बाद पंजाब ने सबसे बुरा दौर देखा। कोई दोराय नहीं कि जलवायु परिवर्तन का प्रतिकूल प्रभाव भारत में भी दिखने लगा है। ऋतु चक्र बिगड़ने से अधिक गर्मी पड़ने के साथ अब बेतहाशा बारिश भी होने लगी है। इस बार उत्तराखंड में 1,343.2 मिलीमीटर बारिश हुई, जो कि सामान्य से बाईस फीसद अधिक है। इसी तरह हिमाचल प्रदेश में 1,010.9 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। यह सामान्य से छियालीस फीसद अधिक रही। भारतीय मौसम विभाग ने पश्चिमी विक्षोभ के लगातार सक्रिय रहने को इस अतिरिक्त बारिश का कारण बताया है। मगर इस विक्षोभ की निरंतरता को समझने की जरूरत है। हालांकि, मध्य भारत में भी इस बार सामान्य से दस फीसद अधिक बारिश हुई है, लेकिन हिमालयी राज्यों में अधिक बारिश क्या प्रकृति की बेतावनी है, जिसकी हम लगातार उपेक्षा करते आए हैं। मौसम का मिजाज बिगड़ने की सबसे बड़ी वजह यह है कि मनुष्य प्रकृति को संरक्षित करने के बजाय उसे लगातार क्षति पहुंचा रहा है। अपनी सुविधा के लिए पहाड़ों को लगातार खलनी किया जा रहा है। शहरों से पर्यटन के लिए जाने वाले लोगों के लिए वहां एक के बाद एक निर्माण से भी स्थितियां गंभीर हुई हैं। रही-नही कसर पेड़ों की अंधाधुंध कटाई ने पूरी कर दी है। तमिलनाडु इतने कमजोर हो गए हैं कि भारी बारिश और बादल फटने पर वे खुद को संभाल नहीं पाते और फिर भयावह मंजर सामने आता है। मैदानों के रिहाइशी इलाके तो उजड़ते ही हैं, राजमार्ग तक वह जाते हैं। हम भले ही विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं, मगर अब इसकी कीमत भी चुकानी पड़ रही है। ऐसे में प्रकृति के संरक्षण के लिए एक सीमा रेखा तो खींचनी ही होगी।

ईश्वरीय सृष्टि का अद्भुत चमत्कार, एक पुरातन ऋषि का दिव्य जन्म

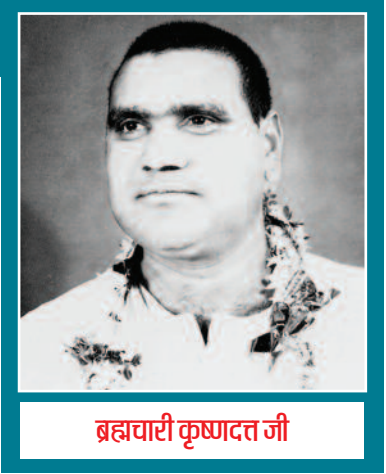
परमपिता परमात्मा की विचित्रता से युक्त, अद्भुत और विलक्षण सृष्टि का उद्घाटन पून्यपाद ब्रह्मचारी ऋषि कृष्णदत्त जी महाराज के प्रवचनों से हुआ। वह ईश्वर का एक अलौकिक और दिव्य प्रकटीकरण है और सृष्टि के इतिहास की एक मात्र, विलक्षण अद्भुत घटना थी। जब 27 सितम्बर सन् 1942 को, उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले के, ग्राम खुर्रमपुर, सलेमाबाद में एक विशेष बालक ने जन्म लिया। बालक जन्म से ही एक विलक्षणता से युक्त था और विलक्षणता यह कि जब भी यह बालक सीधा,शवासन की मुद्रा में, कुछ अन्तराल लेट जाता या लिटा दिया जाता,तो बालक की गर्दन दायें-बायें हिलने लगती, लगभग 15 मिनट तक वेद मन्त्रोच्चारण होता और उसके उपरान्त सृष्टि के आदि काल से वर्तमान काल तक के विभिन्न कालों के स्वयं और विभिन्न ऋषि-मुनियों के चिन्तन और घटनाओं पर आधारित 45 मिनट तक एक दिव्य प्रवचन होता,ऐसा ध्वनित होता कि कहीं ऋषियों का एक समाज बैठा है और कोई प्रवचन करते हुए, अपनी बात कहते हुए,बार बार ‘देखो मुनिवरो!’ और ‘बेटा!’ संबोधित करते हुए कभी ‘सतगुरु को देखा है’ ऐसा कहकर सतगुरु काल का वर्णन करते है,कभी त्रेता,द्रावप काल का साक्षात् वर्णन तुल्य ऋषि जीवन उद्धृत करते ।पर बाल्यावस्था होने के कारण,प्रारम्भ में आवाज अस्पष्ट होती और जैसे-जैसे आयु बढ़ने लगी,वैसे-वैसे ही आवाज और विषय दोनों स्पष्ट होने लगे।एक बार बोध भी न कर पाने वाले,ग्रीवा ग्रामीण बालक के मुख से ऐसे दिव्य प्रवचन सुनकर जन मानस आश्चर्य करने लगा, बालक की ऐसी दिव्य अवस्था और प्रवचनों की गुड़ता के विषय में कोई भी

जन्म दिवस 27 सितम्बर पर विशेष

कुछ कहने की स्थिति में नहीं था। ग्रामीण, निर्धन और अर्धवैत समाज होने के कारण भूत-प्रेत का प्रभाव मानते हुए बहुत-सी चिकित्सा भी कराई गई,पर सब व्यर्थ रहे। क्योंकि बालक की यह प्रवचन क्रिया तो यौगिक थी,यह तो सत्त-ऐसे ही चलती रही। आवाज जब कुछ स्पष्ट हुई तो इस स्थिति का स्पष्टीकरण भी इनके प्रवचनों से ही हुआ।

एक प्रवचन ‘कर्मों की गति’ में इन्होने अपने जीवन के विषय में चर्चा करते हुए कहा कि 40लाख वर्ष पूर्व की एक घटना है जिसमें मैं एक श्रृंगी ऋषि उपाधि से विभूषित ऋषि जीवन जी रहा था,मेरे गुरु आदि ब्रह्मा थे, उनका एक पौत्र कुत्री मुनि था,मैंने अपने गुरु के निर्देश पर उसको शिक्षा देनी प्रारंभ की, शिक्षा की पूर्णता से पूर्व ही उसने तपस्या करने की इच्छा व्यक्त की,मेरे यह कहने पर कि अभी शिक्षण कार्य शेष है, तो शिष्य कुत्री मुनि ने मेरी बात को नहीं सुनी और वह तपस्या करने चला गया, बहुत अंतराल तक वह समाधि में रहा और जब उसको समाधि से उठाया गया,तो तब उसने यही कहा कि मेरे गुरु श्रृंगी ऋषि कह रहे थे, कि मेरे शिक्षण में अभी न्यूनता है,मुझे अभी तपस्या नहीं करनी चाहिए लेकिन मैंने तपस्या में उच्चता प्राप्त की है,तपस्या से उठकर,वह मेरे समीप आए ,और मुझसे भी अहंकार युक्त, कि आप तो यही कहते थे कि अभी मुन तपस्या नहीं कर पाओगे।तो ‘ भगवन्’! मैंने तीनों लोकों को विजय कर लिया है।’ अच्छा क्या करें, पता नहीं कौन- कौन से कर्मों का जब भोग आता है तो मानव की बुद्धि उसी

प्रकार हो जाती है। उस बालक की यह भावना पाकर और योग द्वारा उसके अन्तःकरण को जात करके, कि उसकी मृत्यु निकट आ गई है, उसी के अनुकूल मैंने यह कहा कि ‘अरे, तुच्छ बालक! तुझे इतना बड़ा अभिमान, जा मृत्यु को प्राप्त हो जा।’ तो वह बालक मृत्यु को प्राप्त हो गया।जब वह मृत्यु को प्राप्त हो गया, तो त्राहिमाम त्राहिमाम मच गई। ऋषियों में हाहाकार मच गया। अरे, यह क्या हुआ, ऋषि का बालक, ऐसा तपस्वी, मृत्यु को प्राप्त हो गया। उस समय आदि ब्रह्मा आचार्य, ऋषि मण्डल को ले करके क्रोध में छापे हुए वहाँ आ पहुँचे और कहा, ‘अरे तुच्छ बालक! तूने एक ऋषि के बालक को नष्ट कर दिया। जब तुम इतने बुद्धिमान थे, तो तुमने उसको यथार्थ शिक्षा क्यों नहीं दी? शिक्षा देकर उसको ऊंचे मार्ग पर चलाते, परन्तु तुमने मृत्यु का एण्ड दे दिया।इब तुम्हें भी इन कर्मों का फल भोगना पड़ेगा। तुम सूक्ष्म शरीर द्वारा, जैसे ओर भी लोक हैं, उन सबमें जन्म पाते हुए, सतोगुण, त्रेता और द्रावप सब ही काल को देखो, परन्तु जिस समय कलियुग के ५५०० वर्ष व्यतीत हो जाएंगे, उस समय तुम्हारा एक अज्ञान गृह में जन्म होगा। वह तुच्छजन हो करके, जितनी भी तुम्हारी यह ज्ञान निधि है, यह तुम्हारे समक्ष न रहेगी, वह समाप्त हो जाएगी, शरीर में अज्ञानता छा जाएगी। आकृति बहुत ही तुच्छ बन जाएगी,परन्तु एक महान अवस्था आ करके जिसको हमारे योगियों ने देखो, समाधि अवस्था कहा है जिसको वहकड़ी वाणी भी कहते हैं, जिसको प्राण अवस्था भी कहते हैं, शरीर की ऐसी गति बन



ब्रह्मचारी कृष्णदत्त जी

करके,उस शरीर से आत्मा का उत्थान हो करके, अन्तरिक्ष मण्डल में, जहाँ सूक्ष्म शरीर वाली महान् आत्माओं के सत्संग के द्वारा उस शरीर द्वारा तुम्हारी आकाशवाणी मृत मण्डल में पहुँचेगी। वह काल इतना तुच्छ होगा कि उस काल में कोई तुम्हें तुच्छ कहेगा, कोई पाण्डुगंडी कहेगा, कोई किसी प्रकार से पुकारेगा, तुम्हें यह कर्म भोगना पड़ेगा।

तो ब्रह्मचारी कृष्ण दत्त जी जो इस जन्म में अक्षर बोध न होने पर भी जैसे ही यह शरीर शवासन की मुद्रा में जाता,तो कुछ अन्तराल बाद स्वतः ही योग समाधि की स्थिति बन जाती।जहाँ इस आत्मा का पूर्व जन्मों का ज्ञान उद्बुद्ध हो जाता और जैसा काल पूर्वजन्मों में देखा था, उस काल के अनुकूल व्याख्यान होने लगते। क्योंकि, जन्म-जन्मान्तरों के संस्कार सृष्टि में,

बागपत में योजनाओं की जानकारी से भरपूर सेवा पर्व प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

विश्व बंधु शास्त्री

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत में सेवा पर्व के अवसर पर सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की ओर से विकास भवन में आयोजित प्रदर्शनी ने जनपदवासियों का भरपूर ध्यान आकर्षित किया। यह प्रदर्शनी बुधवार 17 सितंबर से प्रारंभ होकर 02 अक्तूबर तक रहेगी।

प्रदर्शनी का उद्देश्य आम नागरिकों को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना और उन्हें सेवा कार्यों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित करना है।

बुधवार से शुरू हुई इस भव्य प्रदर्शनी का उद्घाटन औद्योगिक विकास एवं संसदीय कार्य राज्यमंत्री जसवंत सिंह सैनी ने किया। प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, किसान



सम्मान निधि, महिला सशक्तीकरण, स्टार्टअप एवं स्वरोजगार सहित शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि क्षेत्र से जुड़ी तमाम योजनाओं की विस्तृत जानकारी रोचक पोस्टरों के माध्यम से दी जा रही है।

जिला सूचना अधिकारी राहुल भाटी ने बताया कि यह प्रदर्शनी 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक आयोजित होगी जिसमें 25 सितंबर को दीनदयाल उपाध्याय जयंती एवं 02 अक्टूबर को

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जयंती एवं पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई जयंती पर विशेष कार्यक्रम होंगे। प्रदर्शनी में अधिक से अधिक संख्या में विद्यार्थी, युवा, किसान, महिलाएं सभी

आकर योजनाओं की जानकारी ले सकते हैं एवं विकसित उत्तर प्रदेश विजन डॉक्यूमेंट हेतु अपने सुझाव भी दे सकते हैं। प्रदर्शनी में प्रत्येक कॉर्नर पर योजनाओं की भरपूर जानकारी दी गई है। यहां आकर लोग विकसित बनने की ओर अग्रसर भारत की जीवंत तस्वीर देख सकेगें और निश्चित ही एक मजबूत प्रेरणा लेकर लौटेंगे।

प्रदर्शनी में 'समर्थ उत्तर प्रदेश - विकसित उत्तर प्रदेश 2047' अभियान का स्टॉल दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा, जहां राज्य युवा पुरस्कार से सम्मानित अमन कुमार के सहयोग से आगंतुकों ने विकसित उत्तर प्रदेश के लिए अपने सुझाव ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज कराए। प्रदर्शनी में स्थापित सेल्फी प्वाइंट ने विशेष रूप से युवाओं को खूब लुभाया। बड़ी संख्या में युवा, महिलाएं, किसान और विद्यार्थी इस सेल्फी प्वाइंट पर

अपनी तस्वीरें लेकर जागरूकता अभियान का संदेश सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं।

प्रदर्शनी में आने वाले आगंतुकों के लिए क्विज प्रतियोगिताएं और संवादात्मक गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं। सैकड़ों आगंतुकों को सूचना विभाग की 'संदेश' पत्रिका वितरित की गई, जिससे योजनाओं की व्यापक जानकारी जन-जन तक पहुंच रही है। यह प्रदर्शनी आने वाले दिनों में भी जनहितकारी रूप में युवाओं, किसानों, महिलाओं और विद्यार्थियों के लिए उपयोगी बनी रहेगी।

इस अवसर पर जिलाधिकारी अस्मिता लाल, पुलिस अधीक्षक सुरज कुमार राय, अपर जिलाधिकारी वित्त/राजस्व पंकज वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव आदि अधिकारीगण व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

खेकड़ा पुलिस ने कराये 684 लीटर अवैध शराब और 770 किलो पटाखे नष्ट



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। कोतवाली पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर सीओ और नायब तहसीलदार की मौजूदगी में 684 लीटर अवैध शराब और 770 किलो अवैध पटाखों को नष्ट कराया। पूर्वी यमुना नहर के पास जेसीबी मशीन से 10 फीट गहरा गड्ढा खुदवाकर इन्हें उसमें डालकर नष्ट किया गया।

पुलिस ने चालू वर्ष में हरियाणा से

तस्करि कर लाई गई बड़ी मात्रा में अवैध शराब और पटाखों का खंखीरा बरामद किया था। इस दौरान दर्जनों तस्करों को भी गिरफ्तार किया गया था। सक्षम न्यायालय ने सभी वादों का निस्तारण करते हुए बरामद माल को नष्ट करने के निर्देश दिए थे। कोतवाली प्रभारी प्रभाकर केंतुरा ने बताया कि न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में कोतवाली के मालखाने में जमा अवैध शराब और पटाखों को नष्ट कराया गया।

बागपत की तीनों तहसीलों में व्यापक मॉक ड्रिल सफल, किया अभ्यास

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के निर्देश पर उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद में आज भूकंप और अग्निकांड से निपटने की व्यापक मॉक ड्रिल आयोजित हुई। तीनों तहसीलों बड़ौत, खेकड़ा और बागपत में आयोजित इस अभ्यास ने प्रशासनिक तैयारी, विभागीय समन्वय और आपदा प्रबंधन की क्षमता को परखा। अपर जिलाधिकारी पंकज वर्मा की देखरेख में हुए इस अभ्यास ने साबित कर दिया कि जिला प्रशासन किसी भी आपदा से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। पूरे अभ्यास की निगरानी राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) के प्रशिक्षित अधिकारियों द्वारा की गई।

बड़ौत तहसील के सराय रोड स्थित जेपीएस प्लास्टिक फैक्ट्री को आज औद्योगिक अग्निकांड की मॉक ड्रिल के लिए ईसिडेंट साइट चुना गया। निर्धारित समय पर जैसे ही आग लगने की काल्पनिक सूचना प्रसारित हुई, तत्काल ईसिडेंट रिसॉर्पंस सिस्टम सक्रिय किया गया। दमकल विभाग की टीमों मौके पर पहुँचीं और फोम टेंडर व अन्य अत्याधुनिक अग्निशमन उपकरणों के माध्यम से आग पर काबू पाने का अभ्यास किया।

इसी बीच स्वास्थ्य विभाग ने घटनास्थल पर ही ट्रायज क्षेत्र स्थापित कर घायलों को प्राथमिक जाँच शुरू की। खेकड़ा तहसील में इंद्रप्रस्थ पब्लिक स्कूल को मॉक ड्रिल के दौरान भूकम्प प्रभावित क्षेत्र के रूप में दर्शाया गया। काल्पनिक स्थिति में विद्यालय भवन के ध्वस्त होने और छात्रों व शिक्षकों के घायल होने का परिदृश्य बनाया गया। सूचना मिलते ही बचाव दल सक्रिय हुआ और घटनास्थल को ईसिडेंट साइट मानते हुए राहत एवं बचाव कार्य प्रारम्भ किए।

स्वास्थ्य विभाग ने विद्यालय परिसर के समीप ही ट्रायज क्षेत्र स्थापित किया, जहाँ चार घायलों को मौके पर प्राथमिक उपचार दिया गया। वहीं पाँच गंभीर घायलों-जिन्हें एक छात्र का हाथ टूटा, एक का पैर फ्रैक्चर हुआ,



प्रशासन की सराहनीय तैयारियाँ

ड्रिल में स्टैजिंग एरिया तैयार किया गया, जिसमें रेस्क्यू टूल्स, मेडिकल किट, फायर सेफ्टी उपकरण और संचार साधन उपलब्ध कराए गए। स्वास्थ्य विभाग ने अस्थायी अस्पतालों में डॉक्टर, नर्सिंग स्टाफ और एंबुलेंस तैनात किए। पुलिस ने सुरक्षा घेरा बनाकर भीड़ नियंत्रण और बचाव कार्यों में सहयोग दिया। पंचायती राज विभाग और जल निगम ने राहत शिविरों और टेंटों की व्यवस्था की, जबकि स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया। मॉक ड्रिल के दौरान जनपद के विभिन्न हिस्सों से आपदा मित्रों, एनसीसी कैडेट्स एवं माय भारत स्वयंसेवकों ने प्रतिभाग किया। ड्रिल की निगरानी कर रहे अपर जिलाधिकारी पंकज वर्मा ने कहा, 'आपदा के समय त्वरित प्रतिक्रिया और विभागीय तालमेल ही जीवन बचा सकता है। इस तरह की मॉक ड्रिल से प्रशासन की तैयारियाँ परखी जाती हैं। इस अवसर पर तीनों तहसीलों के एसडीएम भावना सिंह, अमरचंद वर्मा, निकेत वर्मा बागपत तहसीलदार अभिषेक सिंह जनपद के सभी संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

एक को सिर की चोट और एक को हाथ में गम्भीर चोट-को एम्बुलेंस द्वारा तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खेकड़ा स्थित फील्ड हॉस्पिटल भेजा गया। बागपत तहसील में आयोजित आपदा प्रबंधन मॉक ड्रिल के लिए राजकीय कन्या इंटर कॉलेज को ईसिडेंट साइट चुना गया। काल्पनिक परिदृश्य के अंतर्गत पहले भूकम्प के तीव्र झटकों की स्थिति बनाई गई, जिसमें भवन के क्षतिग्रस्त होने और छात्रों-शिक्षकों के घायल होने का दृश्य प्रस्तुत किया गया। इसी बीच आग

लगने की काल्पनिक स्थिति ने अभ्यास को और अधिक गंभीर बना दिया। दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुँचते ही सक्रिय हुई और पूरे परिसर में फैलती आग पर नियंत्रण पाने के लिए आधुनिक अग्निशमन उपकरणों का प्रयोग किया। टीम ने लपटों को नियंत्रित करने के बाद भवन के भीतर फँसे छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला। स्वास्थ्य विभाग ने विद्यालय परिसर में ट्रायज एरिया स्थापित किया, जहाँ चार घायलों का मौके पर ही उपचार किया गया।

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में ग्राम पंचायत सचिवों के साथ विकास कार्यों की स्थिति पर गहन चर्चा की। बैठक का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि गांवों में वित्त आयोगों के अंतर्गत आवंटित धनराशि का सही और समयबद्ध उपयोग हो तथा ग्राम पंचायतें सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति की दिशा में अग्रसर हों।

डीएम ने 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत संचालित कार्यों की अद्यतन प्रगति रिपोर्ट की समीक्षा की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यों में किसी भी प्रकार की ढिलाई या विलंब स्वीकार्य नहीं होगा। डीएम ने सचिवों को चेतावनी दी कि यदि योजनाओं के क्रियान्वयन में परदर्शिता और गुणवत्ता का पालन नहीं हुआ तो जिम्मेदार व्यक्तियों के खिलाफ



कठोर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायतों को केवल बजट खर्च करने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि प्रत्येक कार्य का स्थायी और दीर्घकालिक प्रभाव भी दिखना चाहिए। पंचायत स्तर पर परदर्शिता और जवाबदेही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। विकास कार्यों का उद्देश्य केवल भौतिक संरचनाओं का निर्माण नहीं, बल्कि गांवों में जीवन स्तर को ऊंचा उठाना है। बैठक में बताया गया कि जिले को 244 ग्राम पंचायतों में से 06

पंचायतों ने पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स (PAI) में स्थान बनाया है। यह सूचकांक भारत सरकार के पंचायती राज मंत्रालय द्वारा तैयार किया जाता है, जिसके माध्यम से पंचायतों के समग्र प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाता है। PAI विभिन्न सामाजिक-आर्थिक संकेतकों जैसे शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, पेयजल, पर्यावरण, महिला-सुरा समानता, रोजगार सृजन और संसाधनों के उपयोग आदि पर पंचायतों की प्रगति को मापता है। इन संकेतकों के

आधार पर पंचायतों को अचीवर, फ्रंट रनर जैसी श्रेणियों में रखा जाता है।

डीएम ने इस उपलब्धि पर संतोष जताते हुए कहा कि शेष पंचायतों को भी इस दिशा में प्रयास करने होंगे ताकि जिले की तस्वीर समग्र रूप से बेहतर हो। उन्होंने सचिवों को निर्देश दिया कि प्रत्येक पंचायत अपने अपने स्तर पर कमियों की पहचान कर ठोस कार्ययोजना बनाएं।

बैठक में बताया गया कि सीएम पंचायत प्रोत्साहन पुरस्कार हेतु जिले से

कुल 39 आवेदन अपेक्षित थे, जिनमें से 28 आवेदन अब तक प्राप्त हो चुके हैं, जबकि 11 आवेदन शेष हैं। डीएम ने संबंधित सचिवों को शेष आवेदनों को शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव, जिला पंचायत राज अधिकारी अरुण अत्री ने भी सचिवों से विस्तार से संवाद किया और विकास कार्यों में आ रही चुनौतियों व उनके समाधान पर चर्चा की। जिलाधिकारी ने कहा कि ग्राम पंचायतें ही ग्रामीण विकास की धुरी हैं और यदि पंचायतें मजबूत होंगी तो गांवों का विकास स्वतः सुनिश्चित होगा। उन्होंने सचिवों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे गांवों को आत्मनिर्भर और आधुनिक बनाने के लिए निष्ठा और जिम्मेदारी से कार्य करें।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी नीरज कुमार श्रीवास्तव, अपर जिला पंचायती राज अधिकारी नितिन कुमार सहित अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

बागपत ने बढ़ाया हिंदी का मान, गृह मंत्रालय से मिला ‘प्रशंसनीय’ श्रेणी का सम्मान

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। हिंदी राजभाषा के प्रचार-प्रसार और केंद्र सरकार के कार्यालयों में प्रभावी कार्यान्वयन में उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, बागपत को गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा वर्ष 2024-25 के लिए 'प्रशंसनीय' श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर का सम्मान प्रदान किया गया है।

यह सम्मान उन अग्रणी प्रयासों के लिए दिया गया है, जिन्होंने माध्यम से हिंदी को सरकारी संस्थानों में प्रभावी रूप से स्थापित किया गया और आम जनता के बीच इसका उपयोग बढ़ाया गया।

जिला सूचना अधिकारी राहुल भाटी ने बताया कि इस गौरवमयी पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 14-15 सितंबर 2025 को



महात्मा मंदिर कन्वेंशन एवं एरिजबेशन सेंटर, गांधीनगर, गुजरात में हुआ, जिसमें पूरे देश के नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों को उनके नवाचारी और प्रेरक कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

बागपत की समिति ने 'हिंदी सेतु' मोबाइल ऐप के जरिए डिजिटल माध्यम से हिंदी से जुड़े सभी संसाधनों को एकीकृत कर आम जनता व

सरकारी कर्मियों के लिए उपयोगी बनाया। यह तकनीकी नवाचार राज्य युवा पुरस्कार से विभूषित सामाजिक कार्यकर्ता अमन कुमार द्वारा स्रैच्छिक आधार पर विकसित किया गया था। वहीं समिति द्वारा 'कालिंदी धारा' पत्रिका के माध्यम से हिंदी भाषा के प्रति संवेदनशीलता और जागरूकता को बढ़ावा दिया गया।

पुरस्कार प्राप्त करते हुए समिति

के अध्यक्ष मिन्हाजुल कमार ने कहा कि यह राष्ट्रीय सम्मान हमें हिंदी को सशक्त करने, उसकी गरिमा बढ़ाने और राजभाषा नीति को देश भर में सुदृढ़ रूप से कार्यान्वित करने की नई ऊर्जा देगा।

समिति के सचिव एवं केनरा बैंक के वरिष्ठ प्रबंधक अभय नाथ मिश्र ने कहा कि हमारा लक्ष्य हिंदी को संवाद का एक सशक्त माध्यम बनाना है जो प्रशासनिक प्रक्रिया को सहज बनाए। 'हिंदी सेतु' ऐप इस दिशा में क्रांतिकारी बदलाव लाई हैं। यह सम्मान हमारे समर्पित प्रयासों की राष्ट्रीय पहचान है। उन्होंने कहा कि यह राष्ट्रीय सम्मान न केवल बागपत जनपद की उपलब्धि है, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश व देश के लिए गर्व का क्षण है। गृह मंत्रालय के मानकों के अनुसार 'प्रशंसनीय' श्रेणी में आना स्वयं में एक बड़ी उपलब्धि है, जो इस बात का प्रमाण है कि बागपत ने राजभाषा

नीति के क्रियान्वयन में नवाचार और प्रभावशीलता का नया उदाहरण प्रस्तुत किया है।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति ने स्पष्ट किया है कि आने वाले समय में 'हिंदी सेतु' ऐप को और अधिक इंटरैक्टिव बनाया जाएगा। साथ ही, युवा पीढ़ी को जोड़ने के लिए प्रतियोगिताएँ, कार्यशालाएँ और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नई पहलें शुरू की जाएँगी।

समिति का लक्ष्य है कि हिंदी सिर्फ सरकारी दफ्तरों तक सीमित न रहकर जन-जन की भाषा के रूप में और सशक्त हो। आने वाले समय में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति बागपत हिंदी को केंद्र सरकार के हर सरकारी दफ्तर में मजबूती से स्थापित करने, डिजिटल माध्यम से उसके विस्तार को और व्यापक बनाने और देशभर के नागरिकों को इसके उपयोग से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

संवेदनशील पहल: बागपत जिलाधिकारी ने शुरू की ‘हर मौसम, हर घर-एक पक्षी घर’ मुहिम

प्रकृति से जुड़ाव और करुणा का संदेश, हर आंगन में लौटेगी चहचहाहट

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

खेकड़ा (बागपत)। जहां एक ओर बदलते मौसम ईंसानों के लिए कभी राहत तो कभी चुनौती लेकर आते हैं, वहीं पक्षियों के लिए यह समय और भी कठिन होता है। कभी बारिश, कभी तेज धूप, तो कभी सर्द हवाएं... यह सभी मौसम उनके लिए सुरक्षित आश्रय की कमी को उजागर करते हैं। इन्हीं परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए, जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने एक नवाचारपूर्ण और संवेदनशील अभियान की शुरुआत की है... 'हर मौसम, हर घर- एक पक्षी घर'।

इस पहल का उद्देश्य है कि हर नागरिक अपने घर, आंगन, छत या बगीचे में एक पक्षी घर स्थापित करे, ताकि पक्षियों को साल भर एक सुरक्षित

आश्रय मिल सके। इससे न केवल पक्षियों की जान बचाई जा सकती है, बल्कि ईंसान और प्रकृति के बीच एक गहरा और करुणामय रिश्ता भी स्थापित होगा।

हर मौसम के लिए पक्षी घर क्यों जरूरी है?

- **मानसून में:** लगातार बारिश और तेज हवाओं से पक्षियों के घोंसले नष्ट हो जाते हैं, अंडे और नन्हे चूजे संकट में आ जाते हैं।
 - **गर्मी में:** तेज धूप और गर्म हवाएं उन्हें जल स्रोत और छांव से वंचित कर देती हैं।
 - **सर्दियों में:** कम तापमान और ठंडी हवाएं उनके लिए जीवन संकट बन जाती हैं।
- ऐसे में एक छोटा-सा पक्षी घर,

हर मौसम में उन्हें सुरक्षा, आराम और स्थायित्व देता है।

जिलाधिकारी अस्मिता लाल ने कहा कि प्रकृति और पशु-पक्षियों की रक्षा करना केवल दया नहीं, बल्कि हमारा सांविधानिक कर्तव्य भी है। यदि हर घर में एक पक्षी घर हो तो हम हजारों पक्षियों को सुरक्षित जीवन देने के साथ साथ आने वाली पीढ़ियों को भी संवेदनशीलता और जिम्मेदारी का संदेश दे सकते हैं।

पक्षी घर लगाने से अनेक लाभ मिलते हैं। ये न केवल पर्यावरण को संतुलित करते हैं, बल्कि हमारे जीवन में भी सकारात्मक बदलाव लाते हैं। सबसे पहले, पक्षी प्राकृतिक कीट नियंत्रण में सहायक होते हैं। वे पौधों को नुकसान पहुंचाने वाले कीड़े और लार्वा खाते हैं। इस प्रकार, खेतों और

बगीचों में रसायनों के उपयोग की आवश्यकता कम हो जाती है। कुछ पक्षी परागण और बीज फैलाव में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इससे जैव विविधता बढ़ती है और पौधों का प्राकृतिक चक्र सुचारु रहता है।

पक्षियों की उपस्थिति हरियाली और जीवन्तता बनाए रखती है। खेतों और बगीचों में उनका आना-जाना प्राकृतिक संतुलन को मजबूत करता है। इसके साथ ही, पक्षियों की चहचहाहट मानसिक शांति प्रदान करती है। उनका मधुर स्वर तनाव और थकान को कम करने में सहायक होता है। बच्चों के लिए पक्षी घर प्रकृति से जुड़ने और जीवों को समझने का एक सुंदर अवसर प्रदान करते हैं। इससे उनमें संवेदनशीलता और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित

होती है।

जानिए कैसे बनाएं पक्षी घर?

- लकड़ी, प्लास्टिक की बोतल, या मिट्टी के बर्तन जैसे सुलभ साधनों से इसे आसानी से तैयार किया जा सकता है।
 - छत, दीवार या पेड़ पर इसे सुरक्षित और ऊँचाई पर टांगा जा सकता है।
 - छेद का आकार स्थानीय पक्षियों के अनुकूल हो।
 - पानी और दाने की व्यवस्था हो तो पक्षी बार-बार लौटेंगे और इसे अपना स्थायी निवास बना लेंगे।
- हर घर में पक्षी घर बनना जिम्मेदारी और संवेदनशीलता का प्रतीक**
- यह मुहिम सिर्फ एक पर्यावरणीय पहल नहीं, बल्कि एक सांस्कृतिक



स्वर्णकार भारती सेवा संस्थान का तीन दिवसीय महा समागम संपन्न



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

हस्तिनापुर। स्वर्णकार भारती सेवा संस्थान ने अपना वार्षिकोत्सव, स्थापनादिवस और राष्ट्रीय स्वर्णकार महा समागम महाराजा अजमीढ़ की पवित्र जन्मस्थली हस्तिनापुर (जनपद मेरठ) में बड़ी धूमधाम से मनाया गया। जिसमें भारतवर्ष के लगभग 16 प्रदेशों से पदाधिकारी और प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

मुख्य अतिथि दिवाकर ने महाराजा अजमीढ़ देव , अंबरीश देव तथा संत शिरोमणि नरहरी दास की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर विभिन्न प्रांतों से आए हुए प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह एवं शॉल देकर सम्मानित किया गया। समागम में प्रतिनिधियों में उत्तर प्रदेश से राष्ट्रीय संरक्षक श्री कृष्ण नारायण सोनी ,राष्ट्रीय संयोजक योगेंद्र कुमार, राष्ट्रीय अध्यक्ष शारदा शंकर सिंह स्वर्णकार, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री रवि सराफ, राष्ट्रीय महासचिव श्री उदय सोनी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष चंदूलाल वर्मा, राकेश वर्मा हस्तिनापुर, छत्तीसगढ़ से अमरनाथ, महाराष्ट्र से डॉ. भरत बाघ, नागपुर से प्रशांत



गुरुव, गुजरात से धनराज भाभरे, मध्य प्रदेश से सौरभ सोनी, दिल्ली से कैलाश सोनी आदि सम्मिलित रहे। संचालन व्यवस्था में उत्तर प्रदेश से जीतू सोनी ने सहयोग किया। अपराह्न में महा समागम में राष्ट्रीय पदाधिकारियों की बैठक संपन्न हुई।

सायंकाल के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। स्वर्णकारों के आदि पुरुष अजमीढ़ जी की शोभायात्रा कोरव पांडवों के मंदिर तक बड़ी धूमधाम से निकाली गई। जिसमें हजारों की संख्या में नर नारी एवं स्थानीय समाज भी सम्मिलित हुए।

इस अवसर पर अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय संयोजक योगेंद्र कुमार वर्मा ने बताया कि इस समारोह को मंच, माला, मनी से दूर रखा गया है तथा सहयोग की राशि मात्र एक रुपया है। यह आजीवन शुल्क देकर कोई भी स्वर्णकार सदस्यता ले सकता है। उन्होंने बताया कि संस्थान का उद्देश्य समाज को जोड़ना तथा उसका विकास करना है। कार्यक्रम में सभी वर्गों के सोनार भाइयों के गोत्रो यथा क्षत्रिय, मैट्ट, माहोर, अहोर राव और समाज के गणमान्य भारी संख्या में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर स्वर्णकार समाज के पांच संगठनों ने स्वर्णकार भारती सेवा संस्थान में अपने संगठनों का विलय किया। जिसमें वाराणसी से धर्मचंद सोनार, स्वर्णकार संघ 3545 के सदस्य, स्वर्णकार युवा क्रांति मंच दिल्ली, रायगढ़ सोनार समाज, छत्तीसगढ़ आदि के लोगों ने इस संगठन में अपने संगठन को विलय कर दिया। इस अवसर पर घोषणा की गई कि स्वर्णकार भारती सेवा संस्थान अपना प्रथम विवाह उत्सव दिनांक 19 मार्च 2026 को वाराणसी में संपन्न कराया जा रहा है, जिसमें चेयरमैन श्री रवि सराफ ने सभी को निर्मांत्रित किया।



हापुड़ के ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक निलंबित

जांच रिपोर्ट में ₹8.84 करोड़ की अनुचित निकासी एवं वित्तीय गड़बड़ी का खुलासा

- आचरण नियमावली 1956 के उल्लंघन और वित्तीय अनुशासनहीनता के गंभीर प्रमाण पाए गए।
- निलंबन अवधि में केवल जीविकोपार्जन भत्ता देय होगा, वह भी नियमों व शर्तों की पूर्ति पर।
- भ्रष्टाचार पर शून्य सहिष्णुता, दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मेरठ। आयुक्त गन्ना एवं चीनी उद्योग विभाग, उत्तर प्रदेश ने भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितता के विरुद्ध कड़ा कदम उठाते हुए हापुड़ जनपद के प्रभारी ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक-हापुड़, शेष नारायण दीक्षित को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई जिलाधिकारी हापुड़ की विस्तृत जांच रिपोर्ट के आधार पर की गई है।

जांच में यह तथ्य प्रमाणित हुआ कि गन्ना समिति हापुड़ के बैंक खातों

से ₹8,84,87,757.80 (आठ करोड़ चौरासी लाख सत्तासी हजार सात सौ सत्तावन रुपए अस्सी पैसे) का अनुचित आहरण किया गया। यह निकासी वित्तीय नियमों और पारदर्शिता की कसौटी पर पूरी तरह असंगत पाई गई। आरोपों की गंभीरता और प्रत्यक्ष जिम्मेदारी के आधार पर श्री शेष नारायण दीक्षित को प्रथम दृष्टया दोषी मानते हुए उन पर विभागीय दंडात्मक कार्यवाही आरंभ की गई है। निलंबन आदेश के अंतर्गत यह स्पष्ट किया गया है कि श्री दीक्षित को निलंबन अवधि में केवल

जीविकोपार्जन भत्ता ही प्राप्त होगा। यह भत्ता अंतिम रूप से तभी अनुमन्य होगा जब वे निर्धारित शर्तों की पूर्ति करेंगे और इस आशय का प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेंगे कि वे किसी अन्य सेवा, व्यवसाय अथवा व्यापार में संलग्न नहीं हैं।

आयुक्त गन्ना एवं चीनी ने यह दोहराया है कि किसानों के हित और सरकारी धन की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। विभागीय संसाधनों और वित्तीय प्रबंधन में किसी प्रकार

की ढिलाई या भ्रष्टाचार को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह भी स्पष्ट किया गया है कि आचरण नियमावली और वित्तीय अनुशासन का उल्लंघन करने वाले किसी भी अधिकारी या कर्मचारी को बख्शा नहीं जाएगा।

विभाग ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को यह सख्त चेतावनी भी दी है कि यदि भविष्य में कोई भी कर्मचारी वित्तीय गड़बड़ी, भ्रष्टाचार या कर्तव्यहीनता में लिप्त पाया जाता

है, तो उसके विरुद्ध तत्काल और कठोर कार्रवाई की जाएगी। गन्ना किसानों की मेहनत और हितों की रक्षा विभाग का प्रथम कर्तव्य है और इसमें किसी भी प्रकार का समझौता अस्वीकार्य है। इस कार्रवाई को आयुक्त द्वारा भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस पॉलिसी का हिस्सा बताते हुए यह संदेश दिया गया है कि भ्रष्टाचार, अनियमितता और नियमों की अवहेलना करने वालों के लिए गन्ना एवं चीनी विभाग में कोई स्थान नहीं है। प्रत्येक अधिकारी और कर्मचारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वे पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता और ईमानदारी के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करें।

यह कार्यवाही न केवल दंडात्मक कार्रवाई है, बल्कि यह पूरे विभागीय तंत्र के लिए एक सख्त संकेत भी है कि गन्ना एवं चीनी विभाग, उत्तर प्रदेश भ्रष्टाचार पर पूर्णतः शून्य सहिष्णुता की नीति पर चलता है और आगे भी इस नीति का पालन बिना किसी भेदभाव और दबाव के किया जाएगा।

लगातार बारिश के दृष्टिगत गन्ने में रोग एवं कीट के प्रबंधन व बचाव हेतु वैज्ञानिकों की संयुक्त टीम करेगी क्षेत्रों का भ्रमण



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। प्रदेश के अपर मुख्य सचिव, चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास, उत्तर प्रदेश की अध्यक्षता में आज बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में गन्ना फसल के संरक्षण एवं रोग नियंत्रण हेतु कार्यालय सभागार में आवश्यक समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। इस बैठक में रोग एवं कीट से प्रभावित गन्ना फसल के आंकलन एवं त्वरित रोकथाम के लिए परिक्षेत्रीय अधिकारियों के साथ वैज्ञानिकों की संयुक्त टीम गठित कर क्षेत्र भ्रमण करने के निर्देश दिये गये।

इस अवसर पर आयुक्त, गन्ना एवं चीनी, उत्तर प्रदेश ने बताया कि प्रदेश में

लगातार हो रही भारी बारिश के दृष्टिगत पौधा व पेड़ गन्ने की फसल में कीट व रोग के प्रभाव की संभावना को ध्यान में रखते हुए उ.प्र.गन्ना शोध परिषद, शाहजहाँपुर एवं भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के वैज्ञानिकों की संयुक्त टीम का गठन कर क्षेत्र भ्रमण कराने के निर्देश दिये गये हैं।

वैज्ञानिकों की संयुक्त टीम क्षेत्रों का भ्रमण कर किसानों के गन्ना फसल में संभावित रोग व कीटों से समय रहते बचाव/नियंत्रण संबंधी अपना सुझाव देगी। इसके उपरान्त ही वैज्ञानिक संस्तुतियों के अनुसार यथा आवश्यक रोग कीटों के नियंत्रण हेतु सुझाव एवं

एडवाइजरी जारी की जायेगी।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में लगातार हो रही भारी बारिश की स्थिति को देखते हुए जिला गन्ना अधिकारियों, उप गन्ना आयुक्तों एवं चीनी मिलों के अधिकारीगण अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित भ्रमण करेंगे और वैज्ञानिक की संस्तुतियों के अनुसार रोगों एवं कीटों के प्रभावी नियंत्रण के लिए सभी आवश्यक कदम अनिवार्य रूप से उठावेंगे। इसके साथ ही परिक्षेत्रीय अधिकारियों को रोग व कीट के नियंत्रण के लिए पेस्टीसाइड के छिड़काव हेतु ड्रोन एवं स्प्रेिंग साधनों की समुचित व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये हैं।

वृक्ष वायुमंडल के निशुल्क सफाई कर्मचारी होते हैं: भारत भूषण गर्ग पर्यावरणविद्

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

ब्रिजघाट। नरेंद्र मोदी जी के जन्म दिवस से लेकर 2 अक्टूबर तक भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वाधान में स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया जा रहा है इस अवसर पर वन विभाग के द्वारा सेवा पर्व के रूप में 101 वृक्षों का रोपण नेह नीड परिसर में आयोजित किया गया जिसके मुख्य अतिथि पर्यावरणविद् भारत भूषण गर्ग एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष नेह नीड के संस्थापक कन्हैयालाल रहे।

मुख्य अतिथि भारत भूषण गर्ग पर्यावरणविद् ने अमलतास का पौधा लगाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया उन्होंने बताया कि आज चहुं ओर जो प्रकृति के विनाश का तांडव चल रहा है वह आने वाले समय में हमारी संतति को सांसें का संकट खड़ा कर देगा उन्होंने कहा कि आज आम जमानास के सहयोग से पिछले 20 वर्षों में स्वामी विवेकानंद विचार मंच लोकभारती एवं वन विभाग के संयुक्त प्रयासों से गढ़मुकेश्वर क्षेत्र में 5% के आसपास हरियाली का क्षेत्रफल बढ़ गया है जिससे इस क्षेत्र का वातावरण जनपद के अन्य हिस्सों के मुकाबले बहुत ही सुंदर हो गया है उन्होंने कहा कि आज समय है कि हम सभी को अधिक से अधिक वृक्षारोपण करते हुए उनके पालन सुरक्षित ढंग से करनी चाहिए। क्योंकि



वृक्ष ही प्रकृति प्रदाता मानव के लिए वह उपहार है जो वायुमंडल का निशुल्क सफाई कर्मचारी बनते हुए हमें स्वच्छ सांस उपलब्ध कराता है।

भारत भूषण गर्ग ने कहा कि आज स्वच्छता पखवाड़े के पर्व को वन विभाग द्वारा सेवा पर्व के रूप में मनाते हुए एक पेड़ मां के नाम जो इन नन्हें बच्चों ने लगाए हैं निश्चित ही वह आने वाली हमारी संतति को स्वच्छ सांस उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण कारक बनेंगे। कार्यक्रम अध्यक्ष कन्हैयालाल जी ने कहा कि आज स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत सेवा पर्व के अवसर पर जो यह एक पेड़ मां के नाम नेह नीड के परिसर में लगाये गए 101 वृक्ष हमारे बच्चों

के द्वारा पुष्पित पल्लवित किए जाएंगे निश्चित रूप से आने वाले 1 वर्ष में यह अपनी आभा इस परिसर को प्रदान करते हुए सुशोभित करेंगे।

उन्होंने कहा कि भारत भूषण गर्ग अपने आप में चलते-फिरते वृक्षों की विकिपीडिया है इन्हें जितना वृक्षों के विषय में जानकारी है इतनी जानकारी के ऊपर तो अनकों बच्चों के द्वारा पीएचडी की जा सकती हैं। वन क्षेत्राधिकार करन सिंह ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि जिन बच्चों के द्वारा सबसे सुंदर पेड़ों की देखभाल की जाएगी उन बच्चों को आगामी वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत सम्मानित किया जाएगा उन्होंने बताया की हापुड़ जनपद में स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत मान्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के निर्देश के क्रम में एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत 3000 पौधों का रोपण किया जाएगा जिनको विभिन्न विद्यालय परिसरों में नन्हें मुन्ने बच्चों के द्वारा ही लगवाया जाएगा। परिसर में अमलतास, मौसमी, नींबू, आम, कचनार, गुलमोहर, पुतरन जीवा आदि प्रजातियों के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर संस्थान की सचिव श्रीमती रीमा वर्मा, गंगा सेवक मूलचंद आर्य डिट्री रेंजर सबाबुल हसन फरिस्टर भावना एमटीएस अरविंद कुमार हरि प्रकाश आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

रुड़की। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में देर का शम नवसृजन साहित्यिक संस्था रुड़की की काव्य गोष्ठी 'कविता कारवां' में विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के उपकुलपति डॉ श्रीगोपाल नारसन ने हिंदी सेवाओं के लिए वरिष्ठ साहित्यकार सुरेंद्र कुमार सैनी को शाल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

नवसृजन साहित्यिक संस्था की ओर से पांच वरिष्ठ साहित्यकारों सुबोध पुंडीर 'सरित', डॉ आनंद भारद्वाज ,डॉ श्रीगोपाल नारसन ,डॉ घनश्याम बादल एवं कृष्ण सुकुमार सम्मानित हुए। घनश्याम बादल ने अभी तक भी हिंदी को राष्ट्रभाषा का सम्मान ना देने तथा उसके समुचित उत्थान के प्रति संबंधित सरकारों की लापरवाही के लिए अपना आक्रोश जाहिर किया।वही श्री गोपाल नारसन ने बताया कि आठवीं शताब्दी में



स्थापित विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ किस तरह से निरंतर अनेक कठिनाइयों के बावजूद हिंदी के प्रचार- प्रसार में हिंदी दिवस महान' सुबोध रही है। उन्होंने बावन अक्षरों की हिंदी/स्वर- व्यंजन की हिंदी' कविता भी सुनाई। उत्तराखंड संस्कृत शिक्षा निदेशक डॉ आनंद भारद्वाज ने कहा कि संस्कृत ही हिंदी भाषा की जननी है और संस्कृत से ही हिंदी समृद्ध और

सर्वग्रा' बनो है। वही शाहिद शेख के गीत 'है इसी में प्यार की आबक', सुरेंद्र कुमार सैनी की कुण्डलिया 'आता है इक साल में हिंदी दिवस महान' सुबोध पुंडीर 'सरित' द्वारा कृष्ण बिहारी नूर की गजल 'जिंदगी से बड़ी सजा ही नहीं/ओर क्या जुर्म है पता ही नहीं' सुनाई तो सदन तालियों से गुंज गया। कृष्ण सुकुमार की प्रस्तुति 'मैंने वह शाम बेच दी, बेच दी, बेच दी' ,

गजलकार पंकज त्यागी 'असीम' द्वारा अदम गोडवी की गजल वो जिसके हाथ में छाले हैं, पैरों में बिवाई है/ उसी के दम से रौनक आपके बंगले में आई है', रश्मि त्यागी ने जब 'रह जाता कोई अर्थ नहीं' नामक कविता सुनाई तो माहौल थोड़ा संजीदा हो गया।।आदित्य सक्सेना ने काका हाथरसी की फुलझड़ियाँ सुनाई तो नवीन शरण निश्चल ने स्वर्गीय जगदीश शरण की रचना 'भोष्प पितामह पड़े हुए थे सर सैया पर/ पांडव चारों ओर खड़े थे सर नीचा कर' सुनाई।अनिल वर्मा अमरोहवी , देहरादून से पधारे फरहान हैदर व दानिश सिद्दिकी ने भी अपने गायन के रंग बिखेरे। कार्यक्रम में सी सिंह सैनी, श्रीमती अल्का घनशाला श्रीमती अनुपमा गुप्ता, श्रीमती अनुपमा शर्मा, गोपाल शर्मा मुकेश वशिष्ठ ,अर्चना त्यागी,निशा सक्सेना, अरविन्द भारद्वाज तथा श्याम कुमार त्यागी ने भी काव्यपाठ किया।

‘अमृत-कलश सम्मान’ से अलंकृत हुए इतिहासकार डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह ‘संजय’

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बिलासपुर। अभियन्ता दिवस के अवसर पर छत्तीसगढ़ की संस्कारधानी बिलासपुर में सम्पन्न हुए 'विकास संस्कृति महोत्सव' में महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, दिल्ली, उत्तरप्रदेश एवं मध्यप्रदेश से पधारे विद्वानों के समक्ष श्रीपीताम्बरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ के अधिष्ठाता ज्योतिषायुर्वेदयागप्रवर्तक आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री ने पुराणेतिहास और साहित्य-क्षेत्र में विशिष्ट योगदान हेतु कवि-आलोचक, इतिहासकार डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय' को 'अमृत-कलश सम्मान' से अलंकृत किया। पुराणेतिहास, इतिहास, भारतीय कालगणना और साहित्यशास्त्र के गम्भीर अध्ययन की दिशा में उल्लेखनीय योगदान हेतु श्रीपीताम्बरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ की विद्यापरिषद् ने पहली बार 'अमृत-कलश सम्मान' प्रदान करने का निर्णय लिया है। डॉ. जितेन्द्र इस सम्मान से गौरवभूषित होने वाले प्रथम इतिहासकार हैं।

सोनभद्र, उत्तरप्रदेश की युवा पीढ़ी के सक्रिय और समर्थ साहित्यकार डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय' का जन्म गुरुवार वसन्त पंचमी, 1 फरवरी, 1979 ई. को मातामह बाबू मृत्युञ्जयप्रताप सिंह के गृह-मन्दिर में हुआ। माता महीयसी प्रभा सिंह के वात्सल्यांचल में पले-बढ़े डॉ. जितेन्द्र को अनुशासन की शिक्षा पिता बाबू महेन्द्रबहादुर सिंह से प्राप्त हुई। पितामह राजर्षि बाबू रामप्रसाद सिंह आचार्य विनोबा भावे के भूदान आन्दोलन में सक्रिय रहे हैं। आचार्य विनोबा भावे की अनुशंसा पर उत्तरप्रदेश के तत्कालीन मुख्यमन्त्री बाबू सम्पूर्णानन्द जी ने राजर्षि बाबू रामप्रसाद सिंह को



भूमि प्रबन्धन समिति का चेयरमैन बनाया था।

वस्तुतः गाँधीवादी एवं सर्वोदयी विचारधारा की पृष्ठभूमि डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय' लको विरासत में प्राप्त हुई। अगोरी-बड़हर राज्य से निर्गत ताल्लुका देवगढ़ के चन्देल राजपरिवार में जन्मे डॉ. जितेन्द्र की प्रारम्भिक शिक्षा देवगढ़ की प्राथमिक पाठशाला से सम्पन्न हुई। गाँव के परिवेश से बाहर निकलकर पोरावल के राजकीय इण्टर कॉलेज से इण्टर की पढ़ाई पूरी करने के पश्चात जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय' ने इलाहाबाद विश्वविद्यालय में प्रवेश लिया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय में अध्ययन से डॉ. जितेन्द्र को नवोन्मेषिनी दृष्टि प्राप्त हुई। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय से एम.ए. (हिन्दी), रूद्रिना गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय से 'पी.जी. डिप्लोमा-इन-रेडियो प्रसारण' एवं अवध विश्वविद्यालय से पी-एच.डी. (भाषाविज्ञान) की गुरुर उपाधि अर्जित करने के पश्चात डॉ.

जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय' ने अपने लिए साहित्य-सृजन का दुरूह मार्ग चुना। कविता लिखने की प्रेरणा माता महीयसी प्रभा सिंह एवं मातामह बाबू मृत्युञ्जयप्रताप सिंह से प्राप्त हुई। डॉ. जितेन्द्र ने 12 वर्ष की उम्र में ही कविता लिखना प्रारम्भ कर दिया था। द्वादश वर्ष की उम्र से प्रारम्भ हुई डॉ. जितेन्द्र की साहित्य-साधना आज अनेक कीर्तिमान स्थापित कर चुकी है। डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय' विश्व के सबसे कम उम्र के पहले ऐसे साहित्यकार हैं, जिनकी पुस्तक 'कुण्डवासिनी' पर मात्र 25 वर्ष की आयु में ही एम.ए. अन्तिम वर्ष की परीक्षा के लिए लघुशोधप्रबन्ध लिखा गया है। डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय' के लेखन की परिधि साहित्य, इतिहास, भाषाविज्ञान, काव्यशास्त्र एवं छन्दःशास्त्र तक फैली हुई है। डॉ. जितेन्द्र ने कुण्डवासिनीस्तोत्र (1997 ई.), शिवद्वार (2002 ई.), कुण्डवासिनी (2004 ई.), साहित्यकार द्विवेदी दम्पति (2005 ई.), बघेलवंश के चार कवि-रत्न (2006 ई.), भारतीय भाषा साहित्य

और छन्द की भूमिका (2012 ई.), राष्ट्रकवि डॉ. बृजेश सिंह और महाराणा प्रताप-साहित्य (2013 ई.), हिन्दी-कवि और काव्यालोचक : शास्त्रीय अवधारणा और व्यवहारिक स्वरूप (2013 ई.), पुष्कल (2014 ई.), प्रणम्य सोनभद्र (2014 ई.), प्रसन्न सोनभद्र (2014 ई.), सोनभद्र का समाज (2014 ई.), सोनभद्र का इतिहास (2015 ई.), डॉ. शिवमंगल सिंह 'मंगल' : व्यक्ति और वाङ्मय (2016 ई.), शब्दार्थ का साहित्य (2016 ई.), राजवंश के साहित्यकार (2017 ई.), संस्कृति-शिला पर उत्कीर्ण ऋचाएँ (2018 ई.), चन्देल-चन्द्रोदय (2019 ई.), 'कोरोना-शक्त' (2020 ई.), 'श्रीराम की अयोध्या' (2020 ई.), 'उत्तरप्रदेश स्वतन्त्रता संग्राम : लखनऊ' (2022 ई.), 'उत्तरप्रदेश स्वतन्त्रता संग्राम : अयोध्या' (2023 ई.), 'उत्तरप्रदेश स्वतन्त्रता संग्राम : मिर्जापुर' (2023 ई.), 'मिर्जापुर का इतिहास' (2023 ई.), विन्ध्यक्षेत्र में श्रीराम' (2024 ई.), 'विन्ध्यवासी श्रीराम' (2024 ई.), 'विन्ध्याचल का क्रान्तिपथ' (2024 ई.), 'अवध का क्रान्तिपथ'



(2024 ई.), 'योगी आदित्यनाथ और महाकुम्भ' (2025 ई.), 'महाकुम्भ : सनातन आस्था का वैश्विक पर्व' (2025 ई.), 'कलचुर राजवंश का इतिहास' (2025 ई.) प्रभृति मौलिक पुस्तकों का सृजन एवं अष्टादश ग्रन्थों का वैदृष्यपूर्ण सम्पादन किया है, जिनमें कविराज पण्डित रमाशंकर पाण्डेय 'विकल' के भोजपुरी-गीतों का संचयन 'सोनवाँ कऽ अँचरा' (1999 ई.), गीतम् के पंच रत्न (2006 ई.), राष्ट्रकवि डॉ. बृजेश सिंह का रचना-संसार (2014 ई.), डॉ. शिवमंगल सिंह 'मंगल' अधिनन्दन-ग्रन्थ : 'सिन्धु से गोमती तक' (2016 ई.), गीतर्षि प्रो. सुमेर सिंह 'शैलेश' की गीत-यात्रा के पाँच दशक पर केन्द्रित रचनात्मक विमर्श : 'गीतों के स्वर्ण-कमल' (2016 ई.), पण्डित दीनदयाल उपाध्याय : व्यक्ति और वाङ्मय (दो खण्ड : 2019 ई.), 'अग्निधर्मा कवि गोपालदास चुनाहे 'गणेश' की कविताएँ' (2021 ई.), 'प्रबन्ध-सुधाकर' (2021 ई.) आदि प्रमुख हैं। 'भारतीय छन्दशास्त्र का इतिहास' नामक शोध-परियोजना के लिए संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार की

कनिष्ठ अध्येतावृत्ति सन्-2008 ई. में ही डॉ. जितेन्द्र को प्राप्त हो चुकी है। इस परियोजना में भारत की समस्त भाषाओं के समन्वय का मौलिक स्वरूप स्थापित किया गया है। तमिऴ् भाषा एवं हिन्दी भाषा के लब्धप्रतिष्ठ विद्वान् प्रो. एम. शेष-ने भारतीय भाषाओं के सन्दर्भ में डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय' की पुस्तक 'भारतीय छन्दशास्त्र का इतिहास' को लैडमार्क (मील का पत्थर) निरूपित किया है।

भारतीय इतिहास की कालगणना, प्रखर राष्ट्रीयता एवं अपने रक्त की एक एक बूँद से भारत भूमि का अभिषेक करनेवाले क्षत्रियों के शौर्यख्यान, स्वातन्त्र्यचेता मेवाड़ के गौरव महाराणा प्रताप एवं तुलसी के राम का मौलिक समन्वय, भारतीय नरेशों की साहित्य-साधना जैसे विषयों को अपनी लेखनी से अमरत्व प्रदान करनेवाले डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय' की दृष्टि अत्यन्त मौलिक है। साहित्य और इतिहास का ऐसा सुन्दर समन्वय प्रायः कम देखने को मिलता है।

अब तक डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय' को 'जूनियर फेलो अवार्ड' (संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार :

साहित्य-क्षेत्र में विशिष्ट योगदान हेतु कवि-आलोचक, इतिहासकार डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय' को 'अमृत-कलश सम्मान' से अलंकृत किया। पुराणेतिहास, इतिहास, भारतीय कालगणना और साहित्यशास्त्र के गम्भीर अध्ययन की दिशा में उल्लेखनीय योगदान हेतु श्रीपीताम्बरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ की विद्यापरिषद् ने पहली बार 'अमृत-कलश सम्मान' प्रदान करने का निर्णय लिया है। डॉ. जितेन्द्र इस सम्मान से गौरवभूषित होने वाले प्रथम इतिहासकार हैं।

2008 ई.), 'आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी राष्ट्रीय शिखर सम्मान' (संस्कृति मन्त्रालय, छत्तीसगढ़ सरकार : 2009 ई.), 'चिन्तामणिकवि सम्मान' (पदुमलाल पुनालाल बख्शी सृजनपीठ, छत्तीसगढ़ सरकार : 2010 ई.), उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान लखनऊ (उत्तर प्रदेश सरकार) का 'रामचन्द्र शुक्ल नामित पुरस्कार' (2014 ई.), 'हजारीप्रसाद द्विवेदी नामित पुरस्कार' (2015 ई.), 'आचार्य नरेन्द्रदेव नामित पुरस्कार' (2016 ई.), राजभाषा आयोग, छत्तीसगढ़ सरकार का 'दीपाक्षर सम्मान' (2017 ई.), महाराणा मेवाड़ चैरिटेबल फाउण्डेशन, उदयपुर का 'महाराणा कुम्भा पुरस्कार' (2019 ई.), संस्कृति मन्त्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार का 'नीरज पुरस्कार' (2019 ई.), उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान का 'विविध साहित्य पुरस्कार' (2019 ई.) आदि प्राप्त हो चुके हैं।

डॉ. जितेन्द्र ने केवल कवि, साहित्यकार, आलोचक, भाषाविद् एवं इतिहासकार हैं, अपितु सामाजिक सरोकार रखनेवाले सहृदय व्यक्ति भी हैं। डॉ. जितेन्द्र ने अपने गाँव देवगढ़ में 'महाराजकुमार बाबू वेणीबहादुर सिंह पुस्तक प्रकाश शोधकेन्द्र' की स्थापना

करने के साथ साथ सनातन धर्म की रक्षा हेतु भव्य पाषाणोत्कीर्ण श्रीरघुनाथ-मन्दिर का निर्माण कराया है। डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय' प्रभाश्री ग्रामोदय सेवा आश्रम तथा श्रीरघुनाथ-मन्दिर देवगढ़ तीर्थक्षेत्र न्यास के द्वारा सोनभद्र के ग्रामीण एवं अशिक्षित जनों के कौशल विकास का कार्य भी सम्पादित कर रहे हैं। निश्चय ही डॉ. जितेन्द्र ने अपने उज्ज्वल कर्तृत्व से भारतीय मनीषा को गौरवान्वित किया है।

श्रीपीताम्बरा विद्यापीठ द्वारा डॉ. जितेन्द्रकुमार सिंह 'संजय' को 'अमृत-कलश सम्मान' से अलंकृत किये जाने पर कविराज पण्डित रमाशंकर पाण्डेय 'विकल', महन्त डॉ. योगानन्द गिरि जी महाराज, राष्ट्रकवि राजर्षि डॉ. बृजेश सिंह, डॉ. लालजी सिंह बिसेन, गणेश गम्भीर, राजेन्द्र त्रिपाठी उपाख्य लल्लू तिवारी, डॉ. अतुलमोहन सिंह गहरवार, बाबू राजेश सिंह राष्ट्रवादी, बाबू जैनेन्द्र सिंह कुशवा, बाबू देवेशप्रताप सिंह पड़रिया, प्रद्युम्नकुमार तिवारी 'पद्म', प्रभात सिंह चन्देल, धर्मेन्द्रकुमार सिंह 'राजेश', ज्ञानेन्द्रकुमार सिंह 'बृजेश', कवयित्री कौशल्या कुमारी, कवयित्री दिव्या राय, रीखा पटेल आदि ने हर्ष प्रकट किया है।

उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में गाज़ियाबाद में अग्निकांड, रासायनिक एवं भूकंप आपदा पर बहु-आयामी मॉक एक्सरसाइज सम्पन्न

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। शुक्रवार उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गाजियाबाद के संयुक्त तत्वावधान में जनपद की तीन तहसीलों में विभिन्न आपदाओं पर व्यापक मॉक एक्सरसाइज (मौका अभ्यास) आयोजित किए गए। तहसील सदर ऑयुलेंट मॉल जी0टी0 रोड गाजियाबाद में अग्निकांड आपदा अभ्यास आग लगने की काल्पनिक स्थिति तैयार की गई। अग्निशमन सेवा, पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, सिविल डिफेंस एवं आपदा मित्रों ने राहत व बचाव कार्यों का सफल प्रदर्शन किया।



आम नागरिकों को भी आग की स्थिति में प्राथमिक कदमों व सुरक्षित निकासी के उपायों का अभ्यास कराया गया। मोदीनगर मोदी शुगर मिल, मोदीनगर में केमिकल रिसाव पर मॉक आपदा अभ्यास रासायनिक गैस रिसाव की काल्पनिक घटना पर मॉक ड्रिल आयोजित की गई। फायर सर्विस,

स्वास्थ्य विभाग एवं प्रशासनिक इकाइयों ने प्रभावित क्षेत्र को सुरक्षित करने और घायलों को त्वरित चिकित्सा उपलब्ध कराने का अभ्यास किया। स्थानीय नागरिकों को भी इस दौरान सुरक्षा तकनीकों जैसे मास्क/गीले कपड़े का उपयोग एवं सुरक्षित क्षेत्र की ओर निकासी के उपाय

सिखाए गए। तहसील लोनी- लोनी इंटर कॉलेज में भूकंप आपदा अभ्यास इमारत ढहने की काल्पनिक स्थिति पर शिक्षिका उपलब्ध कराने का अभ्यास कराया गया। पुलिस, ट्रैफिक पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, सिविल डिफेंस, स्काउट्स एवं स्वयंसेवी संस्थाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। नागरिकों

और बच्चों को तकनीक का अभ्यास करारक व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इन अभ्यासों का समन्वय जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण गाजियाबाद द्वारा किया गया, जबकि उत्तर प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने तकनीकी सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने कहा कि आपदा प्रबंधन केवल सरकारी विभागों तक सीमित नहीं है, बल्कि आम नागरिकों का भागीदारी भी उसनी ही आवश्यक है। इस प्रकार के अभ्यास न केवल प्रशासनिक तैयारियों को परखते हैं बल्कि जनता को भी आपदा की स्थिति में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रशिक्षित करते हैं।

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

गाजियाबाद। कलेक्ट्रेट कार्यालय में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मांदड़ द्वारा जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में प्रार्थियों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। जन सुनवाई के दौरान नगर निगम, पुलिस विभाग, जीडीए, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, राजस्व विभाग सहित अन्य विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी द्वारा सभी प्रार्थियों की बातों को ध्यानपूर्वक सुना व समझा गया। उन्होंने प्रार्थियों से जाना कि उनके द्वारा पूर्व में भी इस सम्बंध में कोई प्रार्थना पत्र दिया गया था अथवा नहीं। यदि दिया गया है तो उसकी डिटेल् ऑनलाईन चैक कर उस पर कार्यवाही करते हैं।



उन्होंने सभी प्रार्थियों को आश्वासन दिया कि उनकी समस्या का पूर्ण गुणवत्ता के साथ समाधान कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि हमारे पास आए प्रार्थियों को उम्मीद होती है कि हम उनकी समस्या का निराकरण गुणवत्तापूर्ण करेंगे और हमें

उनकी इस उम्मीद पर खरा उतरना है और उनकी समस्याओं का निदान करना है। जनसुनवाई के दौरान एडीएम न्यायिक अंजुम बी., सिटी मजिस्ट्रेट डॉ.सन्तोष कुमार उपाध्याय, एसीएम श्री राजेन्द्र कुमार उपस्थित रहे।

‘साहित्य-वाचस्पति सम्मान’ हुए विभूषित राष्ट्रकवि डॉ. बृजेश सिंह

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ की संस्कारधानी बिलासपुर में भारतरत्न डॉ. मोक्षगुण्डम विश्वेश्वरैया की 165वीं जयन्ती के अवसर आयोजित 'विकास संस्कृति महोत्सव एवं राष्ट्रीय अधिवेशन' में श्रीपीताम्बरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ के अधिष्ठाता आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री ने राष्ट्रकवि राजर्षि डॉ. बृजेश सिंह को साहित्य-क्षेत्र में महनीय योगदान हेतु 'साहित्य-वाचस्पति सम्मान' से गौरवभूषित किया।

'तीर्थोत्तमा अयोध्या' प्रभृति कालजयी ग्रन्थों के प्रणेता डॉ. बृजेश सिंह बिसेन राजवंश की बृहद् साहित्यिक परम्परा के मुकुटमणि हैं। डॉ. बृजेश सिंह का वाङ्मय-मधुपर्क राष्ट्र-देवता को समर्पित है। डॉ. बृजेश सिंह अभिनव महाकाव्य 'आहुति' के महाकवि, ढाई सहस्र मुक्तकों के मुक्तककार, ढाई सहस्र गजलों के गजलकार, प्रलम्ब गजल 'समाधान' के महागजलकार, राष्ट्रवादी

कविताओं के राष्ट्रकवि, 'सरस्वतीशतकम्' के स्तोत्रकार, पर्यावरण चेतना के सजग प्रहरी एवं सिद्धहस्त गद्यकार हैं। राष्ट्रकवि डॉ. बृजेश सिंह मझौली राज्य के राजकुमार राजर्षि कल्याण सिंह के वंशावतंस हैं।

महाराणा प्रताप के पवित्र जीवन-चरित पर केन्द्रित 'महान् महाराणा', 'महाराणा का प्रताप', 'महाराणा प्रताप', 'मेवाड़-दर्शन और स्वातन्त्र्यचेता महाराणा' संज्ञक ग्रन्थ-रत्न-चतुष्टय की रचना करनेवाले साहित्य-कल्पद्रुम डॉ. बृजेश सिंह का जन्म उत्तरप्रदेश के बलिया जनपद के कैथी ग्राम में 7 अक्टूबर, 1958 ई. को स्वातन्त्र्य सेनानी बाबू पारसनाथ सिंह के गृह-मन्दिर में हुआ। माता महीयसी कमलादेवी सिंह के वात्सल्य पाथेय से पोषित डॉ. सिंह का शैशव पुण्य शोक पिता बाबू पारसनाथ सिंह एवं श्रीश्री जंगली बाबा के द्वारा परमहंस की गुरुतर उपाधि से विभूषित सहृदय सन्त पितामह बाबू रामप्रताप सिंह की स्निधि में व्यतीत हुआ,



फलतः साहित्य-संस्कृति और अध्यात्म के उच्च संस्कार बाल्यकाल में ही स्फुरित हो गये।

सिविल इंजीनियरिंग में प्रथम श्रेणी 'ऑनर्स' के साथ जीवन के कर्मक्षेत्र में प्रविष्ट हुए डॉ. सिंह सदैव चूडान्त प्रतिष्ठा के अधिकारी रहे हैं। शासकीय इंजीनियर के रूप में

नारायणपुर (बस्तर) में कार्य करते हुए पुज्यपाद पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य को आमन्त्रित कर मात्र 23 वर्ष की उम्र में नारायणपुर जैसे आटविक परिक्षेत्र में प्रज्ञापीठ का निर्माण करना डॉ. सिंह के सामाजिक कार्याभिर्भूचि को प्रमाणित करता है। युग-निर्माण योजना एवं गावत्री

शक्तिपीठ के प्रवर्तक युगत्रुषि आचार्य श्रीराम शर्मा के कृपापात्र डॉ. बृजेश सिंह अखिल भारतीय अभियन्ता महासंघ के प्रान्तीय अध्यक्ष और वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष जैसे गरिमामय पदों को अलंकृत कर चुके हैं। महाकवि डॉ. बृजेश सिंह का वाङ्मय विधा और विस्तार की दृष्टि से बहुआयामी है। डॉ. सिंह हिन्दी-संस्कृत-भोजपुरी-छत्तसगढ़ी एवं अंग्रेजी में साधिकार सृजन करते हैं।

राष्ट्रकवि डॉ. बृजेश सिंह की मौलिक प्रतिभा का विकास चतुरस्रमुखी है। डॉ. बृजेश सिंह एक व्यक्ति नहीं, अपितु अपने आपमें एक संस्था हैं। मौलिक दृष्टिसम्पन्न अभियन्ता, आधुनिक ज्ञानालंकृत वास्तुशास्त्री, महामहोपाध्याय रायबहादुर बाबू जगन्नाथप्रसाद 'भानुकवि' की परम्परा के छन्दःशास्त्री, राष्ट्रदेवता की गौरवगाथा गानेवाले अनन्यके चारण, साहित्य में राष्ट्रस की मौलिक प्रतिष्ठा करनेवाले वर्तमान राष्ट्रकवि, पर्यावरण के लिए प्राणप्रण से समर्पित राजर्षि के रूप में

डॉ. बृजेश सिंह का ऊर्जस्वल कर्तृत्व एवं अनुकरणीय व्यक्तित्व जनमानस के लिए प्रेरणादायक है। डॉ. बृजेश सिंह की मौलिक प्रतिभा का निर्माण युगत्रुषि पण्डित श्रीराम शर्मा आचार्य के संरक्षण में हुआ है, जो सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार में अहर्निश समर्पित है।

राष्ट्रकवि डॉ. बृजेश सिंह ने जन्मस्थान बलिया से सुदूर दक्षिण रामायणकालीन दक्षिणकोसल सम्प्रति छत्तीसगढ़ को अपना कार्यक्षेत्र बनाया है। 'महाराणा प्रताप साहित्य अकादमी' की स्थापना करके छत्तीसगढ़ में राष्ट्रदेवता महाराणा प्रताप की दिव्य ज्योति को पिछले तीस वर्षों से डॉ. बृजेश सिंह ने प्रज्वलित कर रखा है। डॉ. बृजेश सिंह महाराणा प्रताप के सन्दर्भ में स्वयं पाँच पुस्तकों का प्रणयन तो किये ही हैं, साथ ही महाराणा प्रताप के सन्दर्भ में कार्य करनेवाले विद्वानों को प्रत्येक वर्ष प्रणयन जयन्ती के अवसर पर 'महाराणा प्रताप साहित्य गौरव सम्मान' से सम्मानित भी करते हैं। महाराणा प्रताप

साहित्य अकादमी के माध्यम से महाराणा प्रताप विषयक शोध-अनुसन्धान के लिए डॉ. बृजेश सिंह अध्येताओं को नियमित रूप से फेलोशिप भी प्रदान करते हैं। यहाँ यह ज्ञातव्य है कि 'महाराणा प्रताप साहित्य अकादमी' का सम्पूर्ण व्ययभार डॉ. बृजेश सिंह अपने निजी ख़ातों से संवहन करते हैं। छत्तीसगढ़ में महाराणा प्रताप की पहली सबसे बड़ी प्रतिमा की स्थापना डॉ. बृजेश सिंह ने बिलासपुर में लयभंग दो दशब्दी पूर्व किया था। वर्तमान समय में छत्तीसगढ़ में राष्ट्रगौरव महाराणा प्रताप का नाम आते ही जनमानस की जिह्वा से राष्ट्रकवि डॉ. बृजेश सिंह का नाम स्वयमेव निःसृत हो उठता है।

छत्तीसगढ़ में डॉ. बृजेश सिंह ने पर्यावरण-संरक्षा के लिए अद्वितीय कार्य किया है। डॉ. बृजेश सिंह ने अपने निजी ख़ातों से छत्तीसगढ़ में अनेक ऐसे तालाबों का निर्माण करवाया है, जो वर्ष भर जल से परिपूर्ण रहते हैं। डॉ. बृजेश सिंह प्रत्येक वर्ष सहस्रों की संख्या में वृक्ष लगाते हैं और

बड़े हो जाने तक उन वृक्षों की नियमित देखभाल भी करते हैं। पर्यावरण के प्रति जनजागरण की दृष्टि से डॉ. बृजेश सिंह ने तीन तीन राष्ट्रीय संगोष्ठियों का सफल आयोजन किया है। संगोष्ठी में पढ़े गये शोधपत्रों को 'पर्यावरण-विमर्श' के नाम से सम्पादित करके डॉ. बृजेश सिंह ने पर्यावरण-अध्ययन की दिशा में सराहनीय योगदान दिया है। डॉ. बृजेश सिंह के इस अद्वितीय पर्यावरणीय योगदान को देखते हुए श्रीकाशीधर्मपीठ ने उन्हें 'राजर्षि' की सनातनी उपाधि से समलंकृत किया है। राजर्षि डॉ. बृजेश सिंह को श्रीपीताम्बरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ की विद्यापरिषद् के द्वारा 'साहित्य-वाचस्पति सम्मान' से अलंकृत किये जाने पर डॉ. विनयकुमार पाठक, डॉ. बृजेश सिंह के लिए अद्वितीय कार्य किया है। डॉ. बृजेश सिंह ने अपने निजी ख़ातों से छत्तीसगढ़ में अनेक ऐसे तालाबों का निर्माण करवाया है, जो वर्ष भर जल से परिपूर्ण रहते हैं। डॉ. बृजेश सिंह प्रत्येक वर्ष सहस्रों की संख्या में वृक्ष लगाते हैं और

पंडित दीन दयाल जी के मंत्र में असंभव को संभव बनाने की शक्ति : योगी आदित्यनाथ

मथुरा में पंडित दीन दयाल उपाध्याय स्मृति महोत्सव का किया उद्घाटन



यू.पी. ऑब्ज़र्वर

मथुरा। अन्त्योदय के प्रणेता और एकालम् मानव दर्शन के प्रखर वक्ता पंडित दीन दयाल उपाध्याय की स्मृति में आयोजित चार दिवसीय स्मृति महोत्सव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि पंडित जी का सपना आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में साकार हो रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित उपाध्याय जी ने 1950 के दशक में भारत के राजनीतिक नेतृत्व को जो दृष्टि दी थी, वही आज 'वोकल फॉर लोकल' और 'स्वदेशी' के रूप में मूर्तरूप ले चुकी है। उन्होंने कहा कि

युवाओं के लिए नई राह : स्टार्टअप और स्वरोजगार

मुख्यमंत्री ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का समय युवाओं का है। यूपी के पास सबसे बड़ी युवा ऊर्जा है और यही भारत को आगे ले जाएगी। उन्होंने बताया कि 'सीएम युवा स्कीम' के तहत सरकार 5 लाख रुपए तक का ब्याजमुक्त, गारंटी मुक्त लोन उपलब्ध करा रही है। जनवरी से अब तक 70 हजार युवाओं ने इसका लाभ उठाया है और लक्ष्य 1 लाख युवाओं तक पहुंचने का है। उन्होंने कहा कि आज भारत का युवा जीब सीकर नहीं, बल्कि जीब क्रिएटर बन रहा है। स्टार्टअप केवल आईटी सेक्टर में ही नहीं बल्कि ODOP (वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट) और गो आधारित खेती जैसे क्षेत्रों में भी स्टार्टअप अवसर रहे हैं।

पीएम मोदी के नेतृत्व में असंभव को संभव बनाया गया है, चाहे कश्मीर से धारा 370 हटाना ही, अयोध्या में भव्य राममंदिर का निर्माण हो या 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराना हो। सीएम ने कहा कि जो कभी असंभव लगता था, वही आज देश की ताकत बन चुका है। यही पंडित जी के

मंत्र का प्रभाव है कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और जल्द ही तीसरे स्थान पर पहुंचेगा।

कांग्रेस-सपा पर सीधा हमला

सीएम योगी ने कांग्रेस और सपा

पर हमला बोलते हुए कहा कि पिछली सरकारों में भारत को ताकतवर बनाने की दिशा में 'असंभव' शब्द जुड़ा था। यूपी की स्थिति इतनी बिगड़ गई थी कि आजादी के समय जीडीपी में 14 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाला राज्य 2017 तक देश की आठवीं अर्थव्यवस्था बनकर रह गया। लेकिन

स्वदेशी मॉडल : आत्मनिर्भर भारत का आधार

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीन दयाल जी का मंत्र था कि भारत की अर्थनीति का आधार स्वदेशी होना चाहिए। यही कारण है कि आज डड्डा योजना और वोकल फॉर लोकल अभियान से लाखों कारीगरों और शिल्पकारों को रोजगार मिला है। उन्होंने अपील की कि आने वाले त्योहारों में हर नागरिक केवल स्वदेशी उत्पादों का ही उपहार दे। उन्होंने कहा कि विदेशी सामानों से बचकर हम अपने स्थानीय उत्पादों को खरीदना चाहिए ताकि पैसा हमारे कारीगरों और किसानों तक पहुंचे, न कि आतंकवाद और नक्सलवाद फैलाने वाली ताकतों के पास। उन्होंने कहा कि स्वदेशी है तो स्वावलंबन है, स्वावलंबन है तो स्वाधीनता बनी हुई है और स्वाधीनता है तो हमें सशक्त होने से कोई रोक नहीं सकता। यही पंडित दीन दयाल जी का मंत्र है।

डबल इंजन सरकार ने यूपी को फिर से देश की नंबर दो की अर्थव्यवस्था बनाने का संकल्प पूरा किया है।

कश्मीर और राममंदिर का जिक्र

सीएम योगी ने कहा कि कश्मीर को कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने

देश के लिए नासुर बना दिया था। कभी लोग कहते थे कि धारा 370 हटाना असंभव है, लेकिन पीएम मोदी ने यह असंभव संभव कर दिखाया।

इसी तरह राममंदिर को लेकर जो संकल्प था, वह भी मोदी सरकार ने पूरा किया। याद कीजिए लोग कहते थे कि क्या कश्मीर से अनुच्छेद 370 कभी

हट पाएगा। तब दीन दयाल जी ने नारा दिया था और कि जहां हुए बलिदान मुखर्जी वह कश्मीर हमारा है और आज उस कश्मीर से अनुच्छेद 370 को सदा के लिए दफन करते हुए उसे भारत का अभिन्न अंग बनाने का महान काम किया जा चुका है।

स्वदेशी का प्रदर्शन

चार दिवसीय महोत्सव में स्वदेशी उत्पादों की प्रदर्शनी, गो आधारित खेती और नारी स्वावलंबन कार्यक्रमों को प्रदर्शित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यही आत्मनिर्भर भारत और आत्मनिर्भर यूपी की दिशा है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल, प्रदेश सरकार में मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण सिंह, जयवीर सिंह, मधुसूदन, सोहनलाल, मनीष अग्रवाल, नरेन्द्र पाठक, सविता, राज्य महिला आयोग अध्यक्ष बबिता चौहान, विधायक पूरन प्रकाश, पं दीन दयाल उपाध्याय स्मारक समिति के पदाधिकारीगण सहित बड़ी संख्या में जनता उपस्थित रही।

प्रदेश के युवाओं को उद्यमिता की ओर आकर्षित करेगा यूपीआईटीएस 2025

27 सितंबर को सीएम युवा और 27 शैक्षिक संस्थानों के बीच होगा एमओयू हस्तांतरण

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

लखनऊ। प्रदेश सरकार युवाओं को नए अवसर और मंच देने के लिए अब सीएम युवा योजना को बड़े स्तर पर आगे बढ़ाने जा रही है। इसी कड़ी में 25 से 29 सितंबर तक ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में सीएम युवा योजना प्रमुख आकर्षण का केंद्र रहेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना के जरिए प्रदेश के युवाओं को इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स, फ्रेंचाइजी मॉडल्स और टेक्नोलॉजी आधारित बिजनेस आईडियाज से जोड़ने की पहल की जा रही है। आयोजन के दौरान 27 सितम्बर को सीएम युवा और 27 प्रमुख शैक्षिक संस्थानों के बीच एमओयू का हस्तांतरण होगा।

इसके साथ ही हॉल नंबर 18ए में 150 विशेष स्टॉल्स स्थापित किए जाएंगे, जहां विभिन्न क्षेत्रों के नए-नए बिजनेस मॉडल्स प्रदर्शित होंगे। इस प्रदर्शनी में प्रदेश भर से छात्र-छात्राएं, युवा फेलोज, यूनिवर्सिटी प्रतिनिधि और उद्योग जगत के लोग शामिल होंगे, जिससे युवाओं को सीखने, जुड़ने और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा।

सीएम युवा योजना के नोडल अधिकारी और ज्वॉइंट कमिश्नर इंडस्ट्रीज सर्वेयर शुक्ला ने बताया



150 इनोवेटिव स्टॉल्स होंगे आकर्षण का केंद्र

उन्होंने बताया कि यूपीआईटीएस में हॉल नंबर 18ए को विशेष रूप से सीएम युवा प्रदर्शनी के लिए निर्धारित किया गया है। यहां 150 से अधिक स्टॉल्स स्थापित होंगे, जिनमें फ्रेंचाइजी मॉडल्स, टेक्नोलॉजी-आधारित बिजनेस, एग्रीटेक, हेल्थटेक और अन्य स्टार्टअप बिजनेस आईडियाज को प्रदर्शित किया जाएगा। यह स्टॉल्स युवाओं को न सिर्फ नए व्यापारिक मॉडल्स से परिचित कराएंगे बल्कि उन्हें यह भी समझने का अवसर देंगे कि कैसे इन मॉडल्स को अपने क्षेत्र में लागू किया जा सकता है। एनसीआर क्षेत्र में आयोजित होने के कारण हम इसे लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम से भी एक लेवल और ऊपर ले गए हैं। इसमें कई नए और बेहतरीन ब्रांड्स को भी शामिल किया गया है, जो देश-विदेश से आए विजिटर्स का ध्यान आकर्षित करेंगे।

कि इस एमओयू का प्रमुख उद्देश्य प्रदेश के शैक्षणिक संस्थानों को सीएम युवा योजना से प्रत्यक्ष रूप से जोड़ना है।

इसके माध्यम से अंतिम वर्ष में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं और संस्थानों के पूर्व छात्रों को इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स

का हिस्सा बनने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह पहल न केवल युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रेरित करेगी बल्कि प्रदेश सरकार के स्टार्टअप और इनोवेशन विजन को साकार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

बैंकर्स और इंडस्ट्री जगत की मौजूदगी

युवाओं के बिजनेस आईडियाज को केवल पहचान ही नहीं बल्कि वित्तीय सहयोग भी दिलाने की व्यवस्था की गई है। प्रदर्शनी में कई बैंकर्स और इंडस्ट्री लीडर्स मौजूद रहेंगे। वे नए बिजनेस मॉडल्स का आकलन करेंगे और यह तय करेंगे कि किन प्रोजेक्ट्स को वित्तपोषण दिया जा सकता है। इससे उद्यमिता के इच्छुक युवाओं को फाइनेंसिंग और मार्गदर्शन एक ही मंच पर उपलब्ध होगा।

प्रदेश भर से आएंगे युवा और अधिकारी

प्रदेश सरकार ने सभी 75 जिलों के सीएम युवा फेलोज को प्रदर्शनी में शामिल होने के निर्देश दिए गए हैं। उन्हें प्रत्येक स्टॉल का डाटा और कांटेक्ट डिटेल् एकत्र करने तथा इन ब्रांड्स को अपने-अपने जिलों में प्रचारित करने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा, सहारनपुर, मेरठ, आगरा और अलीगढ़ मंडल से जुड़े कॉलेजों के छात्र-छात्राएं और अधिकारी भी इस प्रदर्शनी का हिस्सा बनेंगे। यह प्रयास युवाओं को प्रत्यक्ष रूप से इनोवेशन और उद्यमिता से जोड़ने का अवसर देगा।

सोशल मीडिया और डिजिटल कैंपेन

कार्यक्रम के प्रचार-प्रसार के लिए डिजिटल मीडिया कैंपेन पहले ही सक्रिय हो चुका है। बड़ी संख्या में युवाओं ने ऑनलाइन पंजीकरण कराया है। इस उद्देश्य से एक विशेष वेबसाइट 'यूपीआईटीएस' भी लॉन्च की गई है, जिसके माध्यम से इच्छुक युवा न केवल योजना की विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, बल्कि यूपीआईटीएस विजिट के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी करा सकते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी यह कैंपेन युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

यूनिवर्सिटी और कॉलेजों का साझेदारी

सीएम युवा योजना के अंतर्गत जिन संस्थानों के साथ एमओयू किया जा रहा है, उनमें ग्लोबेटिया यूनिवर्सिटी, जीएल बजाज, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी मेरठ, अजय कुमार गर्ग यूनिवर्सिटी, शास्त्री युनिवर्सिटी, एमिटी यूनिवर्सिटी और एबीईएस जैसे प्रमुख शैक्षणिक संस्थान शामिल हैं। इन संस्थानों के छात्र और फैकल्टी टीमें प्रदर्शनी में सक्रिय भागीदारी करेंगी। इससे युवाओं को प्रत्यक्ष रूप से उद्योग जगत से जुड़ने और नई संभावनाओं की पहचान करने का अवसर मिलेगा।

प्रदेश की समृद्ध परंपरा, हुनर और उत्पादों को वैश्विक मंच प्रदान करेगा यूपीआईटीएस 2025: सीएम योगी

मुख्यमंत्री ने की यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो की तैयारियों की समीक्षा, दिए आवश्यक दिशा निर्देश

यू.पी. ऑब्ज़र्वर

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो मार्ट सभागार में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ आगामी उत्तर प्रदेश अंतरराष्ट्रीय ट्रेड शो (वदकव्-2025) की तैयारियों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आयोजन की तैयारी, सुरक्षा, व्यवस्थापन और प्रतिभागियों की सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह आयोजन प्रदेश की समृद्ध परंपरा, हुनर और उत्पादों को वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करने के साथ-साथ वोकल फॉर लोकल और मेक इन इंडिया अभियानों को बढ़ावा देगा। उन्होंने सभी जिलों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने, डड्डा स्टॉल्स और शैक्षणिक संस्थानों में व्यापक ब्रांडिंग पर जोर दिया। इसके अलावा युवाओं को प्रत्यक्ष अनुभव और उद्यमिता के अवसर प्रदान करने, खादी व ग्रामोद्योग को प्रोत्साहित करने और विदेशी बायर्स की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए कि आगामी यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (वदकव्-

2025) में प्रदेश के प्रत्येक जिले की सक्रिय और प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक जिले के वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) से जुड़े उत्पादों के लिए विशेष स्टॉल्स स्थापित किए जाएंगे, ताकि स्थानीय हस्तशिल्प, खाद्य, हस्तकला और उद्योग संबंधी उत्पादों को वैश्विक खरीदारों और निवेशकों के सामने प्रदर्शित किया जा सके। उन्होंने कहा कि यह केवल प्रदर्शनी नहीं होगी, बल्कि यूपी की विविधता, सांस्कृतिक विरासत और व्यावसायिक प्रतिभा को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रस्तुत करने का महत्वपूर्ण अवसर होगी। इसके माध्यम से स्थानीय उत्पादकों और उद्यमियों को नई संभावनाओं, व्यापारिक नेटवर्क और निवेश के अवसर प्राप्त होंगे, जिससे प्रदेश के विकास और युवाओं के रोजगार सृजन में भी मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस-2025) की पहचान को मजबूत करने के लिए प्रदेश के सभी जिलों और शैक्षणिक संस्थानों में इसकी व्यापक ब्रांडिंग और प्रचार-प्रसार किया जाए। इसका उद्देश्य युवाओं और छात्रों को आयोजन के



महत्व से अवगत कराना और उन्हें सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना है। इसके तहत कॉलेज, यूनिवर्सिटी और अन्य शैक्षणिक संस्थान अपने कैंपस में यूपीआईटीएस के पोस्टर, डिजिटल डिस्प्ले और इवेंट जानकारी साझा करेंगे, ताकि छात्र, फैकल्टी और स्थानीय समुदाय सीधे इस आयोजन से जुड़ सकें और युवाओं में उद्यमिता तथा नवाचार के प्रति जागरूकता बढ़े। सीएम योगी ने गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को

आयोजन से जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे युवाओं को प्रत्यक्ष अनुभव और रोजगार/उद्यमिता के अवसर मिलेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए कि यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के अंतर्गत आयोजित होने वाले फैशन शो में देशभर की फिल्म सिटी से जुड़े विशेषज्ञों की भी शामिल किया जाए। इसका उद्देश्य खादी, हैंडीक्राफ्ट और ग्रामोद्योग से जुड़े उत्पादों को व्यापक दृश्यता और अंतरराष्ट्रीय

पहचान दिलाना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस माध्यम से न केवल उत्तर प्रदेश की हस्तकला और पारंपरिक उद्योग को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि युवा डिजाइनर्स और स्थानीय कारीगर भी नए अवसरों और बाजार तक पहुंच बनाने में सक्षम होंगे। फैशन शो में खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादों को पेश करने के लिए विशेष कैटवॉक और प्रदर्शनी आयोजित की जाएगी, जिससे इन उत्पादों की गुणवत्ता और सौंदर्य का प्रभाव वैश्विक स्तर पर दिखाया जा

सके। उन्होंने यह भी कहा कि इस पहल से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और युवाओं को उद्यमिता, नवाचार और रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिए कि आयोजन में प्रतिभाग करने वाले वृद्धजनों और वरिष्ठ नागरिकों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए जाएं। इसके तहत नासा पार्किंग स्थल से शटल सेवा उपलब्ध कराई जाए, ताकि उन्हें सहज और

आरामदायक तरीके से आयोजन स्थल तक पहुंचने में मदद मिल सके। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि सुरक्षा और संचालन की पूर्ण जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए। किसी भी ई-रिक्शा या वाहन का संचालन नाबालिग चालक द्वारा न किया जाए। इसके अलावा, आगंतुकों के लिए सुरक्षा, मार्गदर्शन और सुविधा संबंधी निर्देश भी स्पष्ट किए जाएं, ताकि सभी प्रतिभागियों को सुरक्षित, व्यवस्थित और स्वागतपूर्ण अनुभव प्राप्त हो।

सीएम ने विदेशी बायर्स और मेहमानों की सुरक्षा, आवास, परिवहन और संपूर्ण रहन-सहन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि विदेशी मेहमानों को सहज, सुरक्षित और स्वागतपूर्ण अनुभव मिलना चाहिए ताकि उत्तर प्रदेश की छवि मजबूत हो। बैठक में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी समेत अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण मौजूद रहे। अपर मुख्य सचिव, एमएसएमई विभाग आलोक कुमार ने पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से मुख्यमंत्री को अव तक की तैयारियों से

अवगत कराया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 25 से 29 सितंबर के बीच ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित होने वाले यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस 2025) की तैयारियों का जायजा लेने के लिए शुक्रवार को स्थलीय निरीक्षण भी किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस आयोजन का शुभारंभ करेंगे। इसको देखते हुए मुख्यमंत्री ने पूरे आयोजन स्थल का दौरा किया और अधिकारियों से तैयारियों के विषय में जानकारी ली और आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। इस दौरान अपर मुख्य सचिव एमएसएमई आलोक कुमार ने उन्हें पूरे आयोजन स्थल और वीआईपी मूवमेंट की जानकारी दी। डीएम मेधा रूपन ने भी आयोजन स्थल पर व्यवस्थाओं और सुविधाओं का पूरा ब्योरा दिया। वहीं पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह ने उन्हें सुरक्षा व्यवस्था से अवगत कराया। मुख्यमंत्री जी ने ई कार्ट में बैठकर पूरे आयोजन स्थल को देखा।

इस दौरान उनके साथ सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री राकेश सचान, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी और अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

सेहत/स्वास्थ्य

30 की उम्र के बाद महिलाएं दिखेंगी जवान और फिट! बस रोजाना एक चम्मच घी खाने से मिलेंगे अद्भुत फायदे



अक्सर 30 की उम्र के बाद महिलाओं के बॉडी में काफी बदलाव देखने को मिलते हैं। वैसे भी उम्र के अलग-अलग पड़ाव में खान-पान का विशेष ध्यान भी रखा जाता है। एज के हिसाब से बॉडी की न्यूट्रिशनल जरूरत को पूरा करने के लिए एक हेल्दी रूटीन को जरूर फॉलो करें, जिससे शरीर भी मजबूत बना रहेगा। 30 की उम्र के बाद महिलाओं में कई हार्मोनल बदलाव आते हैं। इस दौरान मेटाबॉलिज्म भी धीमा होने लगता है और हड्डियों के लिए अत्यधिक पोषण चाहिए होता है। इसलिए महिलाओं को 30 के उम्र के

बाद घी का सेवन जरूर करना चाहिए।

30 की उम्र के बाद महिलाएं 1 चम्मच घी जरूर खाएं

- इस उम्र के दौरान महिलाओं में हार्मोनल इंबैलेंस शुरू हो जाते हैं। 30 की उम्र में महिलाओं का मूड, एनर्जी लेवल और पीरियड साइकिल पर होता है। ऐसे में एक चम्मच घी खाने से शरीर मजबूत बनता है। इसके साथ ही हार्मोंस का बैलेंस करने में मदद मिलती है।

- घी में हेल्दी फैट्स पाए जाते हैं,

जो हार्मोनल हेल्थ को दुरुस्त करता है और शरीर में एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन का बैलेंस करते हैं।

- 30 के बाद महिलाओं के शरीर में कैल्शियम की कमी होने लगती है और हड्डियों के कमजोर होने से दिक्कत बढ़ जाती है। घी में पाया जाता है विटामिन- डी और विटामिन- के जो शरीर में कैल्शियम अब्सॉर्ब करने में मदद करते हैं।

- घी के सेवन करने से जोड़ों में मजबूती बनती है और अर्थराइटिस की दिक्कत नहीं होती है।

- घी में ओमेगा-3 फैटी एसिड्स

30 की उम्र में महिलाओं के शरीर में काफी बदलाव आते हैं। इस अवधि में सबसे ज्यादा हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। अगर महिलाएं रोजाना 1 चम्मच घी खाएं तो इससे इन्हें कई सारे फायदे मिलेंगे। घी में कई सारे गुण पाए जाते हैं।



और ब्यूरेटिक एसिड, मेटल हेल्थ के लिए भी जाना जाता है।

- 30 के बाद बाद मेटाबॉलिज्म धीमा होने लगता है। इसलिए घी का सेवन करने से पाचन तंत्र स्ट्रॉंग बना रहता है और कब्ज की समस्या से दूर होती है और आंतों की सूजन कम हो जाती है।

- घी को सही मात्रा में खाने से कभी वजन नहीं बढ़ता है। इसलिए महिलाएं एक चम्मच घी रोजाना जरूर लें।

- घी का सेवन करने से एंजिंग साइन्स दूर होने लगते हैं और बाल भी झड़ने कम हो जाते हैं। घी खाने से त्वचा को हाइड्रेशन और ग्लो प्रदान होता है।

ब्यूटी / फैशन

पार्टी में पाएं रॉयल और क्लासी लुक, ब्रोकेड पैटर्न स्टाइल करने के ये हैं खास टिप्स

ब्रोकेड पैटर्न का अपना एक खास लुक होता है। जब आप पार्टी के लिए कुछ वेस्टर्न या फिर इंडो वेस्टर्न कैरी करना चाहती हैं, तो ऐसे में ब्रोकेड पैटर्न को स्टाइल एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है। ब्रोकेड पैट का लुक, टेक्सचर और डिजाइन और एलिंगेंट और क्लासी लुक देने में मदद करता है। इसलिए हर महिला और लड़की को इसको अपने वार्डरोब में जरूर शामिल करना चाहिए। हालांकि महिलाएं एक स्टाइल स्टेटमेंट क्रिएट करने के लिए एक्सेसरीज का भी सहारा लेती हैं। लेकिन ब्रोकेड पैटर्न खुद में ऐसा स्टाइल स्टेटमेंट है, तो आपको एक्सेसरीज या फिर अन्य चीजों को लेकर ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं होती है।

इन पैटर्न को एक खासियत यह भी होती है कि आप इसको वेस्टर्न विवर के साथ भी पेयर कर सकती हैं। तो वहीं दूसरी तरफ यह इंडियन विवर के साथ भी काफी ज्यादा स्टर्निंग लगते हैं। इसके लिए बस आपको सही तरह से इसे स्टाइल करने की जरूरत होती है। हालांकि ब्रोकेड पैटर्न को स्टाइल करने के दौरान हम अपने लुक को ओवर कर देते हैं, जिस वजह से पूरा लुक



खराब हो जाता है। ऐसे में अगर आप भी ब्रोकेड पैटर्न स्टाइल करने का मन बना रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे ही स्टाइलिंग टिप्स के बारे में बताते जा रहे हैं, जो ब्रोकेड पैटर्न स्टाइल करने के समय बहुत काम आएंगे।

टेक्सचर के साथ करें एक्सेपेरिमेंट

ब्रोकेड पैटर्न में एक रॉयल के साथ एलिंगेंट और क्लासी लुक पाने के लिए अपने टेक्सचर के साथ थोड़ा प्ले करें। ब्रोकेड पैटर्न काफी रिच लुक देने का काम करती है। क्योंकि ये टेक्सचर व

अगर आप भी ब्रोकेड पैटर्न स्टाइल करने का मन बना रही हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ ऐसे ही स्टाइलिंग टिप्स के बारे में बताते जा रहे हैं, जो ब्रोकेड पैटर्न स्टाइल करने के समय बहुत काम आएंगे।

थोड़ी शाइनी होती हैं। इसलिए अगर आपका अपर विवर का फैब्रिक ज्यादा हैवी या शाइनी है, तो इसमें आपका लुक थोड़ा अजीब लग सकता है। कोशिश करें कि आप अपर विवर के लिए साटन, सिल्क या शिफॉन जैसे फैब्रिक चुनें। अगर आप रॉयल लुक पाना चाहती हैं, तो आप ब्रोकेड में मोनोक्रोम लुक भी कैरी कर सकती हैं।

कलर्स का ध्यान रखें

आप भी ब्रोकेड पैटर्न को पहनती हैं तो आपको ओवर ऑल लुक में कलर को बैलेंसड तरीके से कैरी करना चाहिए। इसके लिए आपके विवर का कलर ऐसा होना चाहिए, जो आपकी पैटर्न में भी शामिल हो। अगर आपकी ब्रोकेड पैटर्न में रेड, गोल्ड या

डीप ज्वेल टोन है, तो आप को-ऑर्डिनेट लुक के लिए भी ऐसी ही कलर को अपर विवर के लिए चुनें। वहीं न्यूट्रल शेड्स में क्रीम, ब्लैक, बेज या ऑफ व्हाइट भी आपके लुक को खास बनाने का काम करेगा।

फिटिंग में ना हो गड़बड़

हम अक्सर ब्रोकेड पैटर्न में फ्लेयर्ड, स्ट्रेट या वाइड लेग को चुनते हैं। वहीं शार्प और क्लासी लुक पाने के लिए आपको हमेशा फिटेड टॉप को अपने लुक का हिस्सा बनाना चाहिए। इससे आपको फिनिशड लुक मिलेगा और अगर आप हाई-वेस्ट ब्रोकेड पैट पहन रही हैं, तो ऐसी सिचुएशन में टॉप को अंदर की तरफ टक करना न भूलें।

पर्यटन

गरबा-डांडिया नाइट्स का असली मजा Delhi-NCR की इन जगहों पर मिलेगा, नवरात्रि में एक बार जरूर जाएं



नवरात्रि पर्व का आगाज २२ सितंबर से होने वाला है। नवरात्रि का फेस्टिवल बड़े ही धूम-धाम से मनाया जाता है। इस दौरान गरबा और डांडिया जमकर खेली जाती है। अगर आप दिल्ली में रहते हैं, तो इस साल इन जगहों पर जरूर जाएं। यहां पर जरा हटके गरबा और डांडिया का एक्सपीरिंस मिलेगा।

फेस्टिवल शुरू होते ही उत्साह और जश्न शुरू हो जाता है। नवरात्रि में डांडिया और गरबा नाइट्स खेलने का एक अलग ही मजा आता है। शारदीय नवरात्रि के दौरान पूरे देश में हर जगह-जगह पर गरबा और डांडिया नाइट्स के आयोजन होते हैं। इन आयोजनों में लोग ट्रेडिसनल घाघरा-चोली पहनकर और अच्छे से सजकर गरबा और डांडिया खेलते हैं। दिल्ली और एनसीआर में कई जगहों पर गरबा और डांडिया नाइट्स आयोजित किए जाते हैं, जिनमें लाइव म्यूजिक, ढोल की थाप और स्वादिष्ट व्यंजन शामिल होते हैं। इन आयोजनों में भाग लेकर आप नवरात्रि पर्व का जश्न और उत्साह का अनुभव कर सकते हैं और देवी दुर्गा की भक्ति में शामिल हो सकते हैं। आइए आपको बताते हैं दिल्ली-एनसीआर के ये जगह, जहां पर डांडिया नाइट्स और गरबा का शानदार मजा ले सकते हैं।

द्वारका गरबा नाइट, दिल्ली

गरबा लवर्स के लिए दिल्ली के द्वारका में आयोजित होने वाला यह इवेंट बेहद खास हो सकता है। यहां की गरबा नाइट्स में जोश और ऊर्जा से भरा माहौल आपको देखने को मिल जाएगा। लोग रंग-बिरंगे पारंपरिक कपड़ों में सजकर लोग आते हैं। यहां ढोल की थाप पर लोग गरबा करते हैं।

नोएडा स्टेडियम, नोएडा



गरबा का सबसे शानदार आयोजन नोएडा स्टेडियम में होता है। यह जगह गरबा के साथ-साथ शानदार सजावट और भव्य आयोजन के लिए भी जानी जाती है। यहां हर साल हजारों लोग गरबा खेलने को आते हैं। पूरा स्टेडियम एक उत्सव का माहौल बन जात है। यहां पर जाने-माने सिंगर भी आते हैं। इसके साथ ही खाने-पीने स्टॉल मिल जाएंगे।

किंगडम ऑफ ड्रीम्स, गुरुग्राम

अगर आप डांडिया और गरबा का शानदार अनुभव लेना चाहते हैं, तो किंगडम ऑफ ड्रीम्स, गुरुग्राम में जा सकते हैं। यहां की सजावट और आकर्षक लाइट जो आपका दिल जीत लेगा। यहां गरबा और डांडिया नाइट्स का आयोजन होता है। यहां पर प्रोफेशनल कलाकर भी आते हैं। यह जगह आपके लिए काफी यादगार बन जाएगी।

जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, दिल्ली

दिल्ली में डांडिया और गरबा नाइट्स के लिए जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम एकदम बढ़िया ऑप्शन है। यहां पर बड़े-बड़े गरबा के इवेंट होते रहते हैं, यहां पर बॉलीवुड के प्रसिद्ध सिंगर और म्यूजिशियन भी हिस्सा लेते हैं। यहां पर लाइव बैंड और सैलिब्रिटीज भी देखने को मिल सकते हैं।

घरेलू नुस्खे



शारदीय नवरात्रि में अक्सर लोग व्रत के दौरान साबूदाना खिचड़ी बनाते हैं, लेकिन यह अक्सर चिपक जाती है। यह लेख परफेक्ट और खिली-खिली साबूदाना खिचड़ी बनाने का आसान तरीका बताता है, जिससे आपकी व्रत रेसिपी स्वादिष्ट और चिपचिपी नहीं बनेगी।

शारदीय नवरात्रि में बनाएं 'परफेक्ट' साबूदाना खिचड़ी, चिपकेगी नहीं, बस अपनाएं ये तरीका

शारदीय नवरात्रि का पर्व शुरू हो चुका। नवरात्र में मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। भक्त जन 9 दिनों तक व्रत रखते हैं। नौ दिनों तक व्रत रखने वाले व्यक्ति को फलाहार के लिए कुछ खास रेसिपी भी जरूर बनानी चाहिए। ज्यादातर लोग नवरात्र में साबूदाना खिचड़ी बनाते हैं, इससे पेट भी भरा रहता है। साबूदाना खिचड़ी हम सभी घर पर बना तो लेते हैं लेकिन ये बार-बार छिपक जाती है। खिली-खिली साबूदाना खिचड़ी बनाना काफी मुश्किल होता है। आइए जानते हैं नवरात्र में कैसे बनाएं खिली-खिली साबूदाना खिचड़ी।

साबूदाना खिचड़ी बनाने के लिए



सामग्री

- 1 कटोरी साबूदाना

- 1/2 कटोरी मूंगफली दाना
- 1 उबला हुआ आलू

- 1 बड़ा चम्मच कटा हुआ हरा धनिया

- 2 कट्टी हुई हरी मिर्च
- 1 नींबू
- 10 कढ़ी पते
- 1 छोटा चम्मच घी
- स्वादानुसार सेंधा नमक

साबूदाना खिचड़ी बनाने का तरीका

सबसे पहले आप साबूदाना साफ करें फिर उसे धोकर 2-3 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। ऐसा करने से साबूदाना फूलकर नरम हो जाएगा। फिर आप एक पैन में मूंगफली के दाने डालकर धीमी आंच पर भून लें और उठंडे होने के लिए रख दें। मूंगफली दाने उठंडे होने के बाद उन्हें हाथों मसलकर छिलके

अलग करके दरदरा कूट लें। फिर आप आलू, हरी मिर्च, हरी धनिया पत्ती तो बारीक-बारीक काट लें। इसके बाद एक कड़ाही लें उसमें घी डालकर मीडियम आंच पर गर्म कर लें। घी गर्म करें उसमें जीरा डालकर भूनें। इसे फ्राई करें फिर भिगोकर रखा हुआ साबूदाना दाना डालकर करछी से अच्छी तरह मिक्स करें। 5 मिनट बाद साबूदाना दरदरी कूटी हुई मूंगफली, हरी धनिया पत्ती और सेंधा नमक डालकर सभी चीजों को अच्छी तरह से मिला लें। सबसे आखिरी में आप नींबू का रस डालकर खिचड़ी को 2 मिनट और पकाकर गैस बंद कर दें और आपकी व्रत वाली साबूदाना खिचड़ी तैयार है।

मिमांसा 'साहित्य महोदधि' सम्मान डॉ जितेन्द्रभग्न सिंह संजय उत्तरप्रदेश को प्रदत्त किया गया।

इसके अतिरिक्त प्राध्यापक डॉ जे एम मोरे को 'विकास संस्कृति अनुवाद सम्मान', डॉ संतोष पणार एवं प्रा बी ए शैलक को 'पर्वशरण चित्र' सम्मान तथा पर्यावरण समीक्षा सम्मान से डॉ एल सी मद्दिया, इन्जी एम पी साहा, इन्जी मनीष राठौर, इन्जी एम के सिंह, इन्जी एम बी तिसारी, डॉ अनिता जैन को सम्मानित किया गया। महाराष्ट्र से आए वरिष्ठ साहित्यकार, हिंदी प्रोफेसर डॉ मोरे द्वारा मनीष राठौर के अभिनयओं के विषय में उच्चरित कवितापाठ से प्रसन्न होकर उनका सम्मान किया तथा अपने उद्घोषण में यह रेखांकित किया कि आने वाले समय में इंजी मनीष राठौर को एक सख्ती प्राप्त साहित्यकार के रूप में जानेंगे। विकास संस्कृति अभिवृत्ता सम्मान से इन्जी अलोक अग्रवाल, समाज सेवा सम्मान से इन्जी उमाकांत मिश्रा तथा महाराणा रत्न सम्मान से देवेश सिंह को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर हत्तीसगढ़ डिग्री इंजीनियर्स एसोसिएशन के प्रांतीय महासचिव मनीष राठौर के साथ, उपाध्यक्ष राजेन्द्र साह, बिलासपुर जिलाध्यक्ष अखिलेश राठौर, सदस्य रजौ की कामले सहित बड़ी संख्या में अभिवृत्तगण उपस्थित रहे।

की कामना करते हैं, ताकि वे इसी तरह देश को नई ऊँचाईयों तक ले जाते रहें।

मंच संघालन कार्यक्रम के संयोजक मंच पर लाल्गा लाल्गा एडवोकेट, जिला महामंत्री युवरा मोर्चा ने किया। इस अवसर पर सुनेवा सिंह (ब्लॉक प्रमुख), डॉ. अरुण त्यागी (प्रधानाचार्य), अनिल त्यागी (चेयरमैन निवाड़ी), जितेंद्र चित्तौड़ा (जिला महामंत्री व संयोजक), प्रो. नवेंद्र गौड़ (जिला महामंत्री), अमित चौधरी, देवेन्द्र चौधरी (जिला उपाध्यक्ष), देवेन्द्र डायमंड, नमन जयसवाल, अरुण त्यागी पूर्व संडल अध्यक्ष, आकाश शर्मा, सचिन त्यागी, नितिन मित्तल, देवराज शर्मा, अजित सिंह, अमिर्ज जैन, अनिल सैन, प्रशांत त्यागी, व्यंकट शर्मा सहित अनेक प्रतिमान्य व्यक्तियों की गरिमायी उपस्थिति रही।



TM

॥शक्ति यात्रा॥

ॐ

॥ विशुद्ध हवन सामग्री ॥

विशुद्ध जड़ीबूटियों जटामांसी, नागकेशर, अपामार्ग, अश्वगंधा, वचा, ब्यालछड़, पीली सरसों, चंदन, हाडबेर, मालकांगनी, किशुक पुष्प, गुलाब पुष्प, सुगंध कोकिला, लोध्र पटानी, बेल गिरी, गुग्गलु, हल्दी, अष्टगंध, सर्वोषधि आदि 73 प्राकृतिक जड़ियों से निर्मित।

निर्माता एवं विक्रेता

॥ श्री पीताम्बरा विद्यापीठ सीकरीतीर्थ ॥

रेपिड पिलर 1117 के सामने, दिल्ली मेट्रो रोड, मोदीनगर - 201204
m-7055851111 email: bhavishyachandrika@gmail.com

यज्ञ में विशुद्ध सामग्री ही संकल्प को सफल करती है।

हुए समाज के वंचित, उपेक्षित, अभावग्रस्त और पीड़ित वर्ग के शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और सामाजिक उत्थान के लिए कार्य करेगी।